पेज : 2

पेज : 4

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, रविवार, 23 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 357 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेगा-बिल गेट्स

-इंडिया की ग्रोथ से पूरी दुनिया को फायदा होगा

मुंबई । माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने कहा कि इंडिया की ग्रोथ से पूरी दुनिया को फायदा होगा। मुंबई में एक इवेंट में बिल गेट्स ने यह बात कही है। इतना ही नहीं उन्होंने भारत के इनोवेशन की तेज गति की भी सराहना की है। बिल गेट्स ने कहा कि 2047 तक देश का विकसित राष्ट्र के रूप में उभरना न केवल भारत को बदल देगा, बल्कि दुनिया पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि फैक्ट यह है कि भारत में हेल्थ और एजुकेशन जैसे प्रमुख सेक्टरों को प्राथमिकता दी गई है, इससे बहुत सकारात्मक गतिशीलता पैदा हुई है। भारत के इकोनॉमिक ग्रोथ आउटलुक को आशाजनक बताते हुए गेट्स ने कहा कि यह एक बेहतरीन स्थिति है, जब इस बात पर बहस चल रही है कि विकास दर 5 प्रतिशत होगी या 10 प्रतिशत। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि यह 10 प्रतिशत तक पहुंचेगी, लेकिन 5 प्रतिशत से नीचे भी नहीं जाएगी।

भारत की एआई डेवलपमेंट अप्रोच को सराहा

बिल गेट्स ने कहा कि आर्थिक विस्तार हेल्थकेयर और एजुकेशन में अधिक सरकारी निवेश को सक्षम करेगा, जिससे महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर गेट्स ने कहा कि यह टेक्नोलॉजी बहुत बड़े बदलाव लाएगी। लेकिन उन्होंने इस डर को खारिज कर दिया कि एआई से नौकरियां खत्म हो जाएंगी। गेट्स ने भारत की एआई डेवलपमेंट अप्रोच की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत का स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ओपन-सोर्स फाउंडेशन मॉडल को अपनाना अच्छा है, जिसमें भारतीय भाषाओं का सपोर्ट भी शामिल है।

5 अप्रैल को श्रीलंका दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी,

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अप्रैल को श्रीलंका का दौरा करेंगे, राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने शुक्रवार को संसद में एक बयान देते हुए इसकी घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा की तारीख की घोषणा करते हुए दिसानायके ने कहा कि मोदी देश की स्थिरता के कारण श्रीलंका का दौरा कर रहे हैं। पिछले सप्ताह विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने कहा था कि मोदी पिछले साल राष्ट्रपति दिसानायके की दिल्ली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए यहां आएंगे। राष्ट्रपति ने संसद को यह भी बताया कि त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह जिले में सामपुर विद्युत संयंत्र का निर्माण कार्य भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा के समय ही शुरू होने वाला है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सीएम डॉ. मोहन यादव ने भेंट की

नई दिल्ली । नई दिल्ली में शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौजन्य भेंट की।

कुरुक्षेत्र महायज्ञ के दौरान लाठी-डंडे बरसे और चली गोलियां, दो युवक गंभीर घायल

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में चल रहे 1008 कुंडिया महायज्ञ के दौरान गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। यज्ञ संपन्न करवा रहे ब्राह्मणों के बीच विवाद के चलते लाठी-डंडे चले और फायरिंग हुई, जिसमें दो युवक बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना में कई अन्य के घायल होने की बात कही जा रही है। घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी अनुसार, हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 1008 कुंडीय महायज्ञ के दौरान लाठी-डंडे और गोलियां चल गईं। इसमें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ निवासी आशीष तिवारी को गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जांघ में गोली लगी, जिसके बाद लोक नायक जय प्रकाश नागरिक अस्पताल में उसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दूसरा घायल युवक प्रिंस लखीमपुर खीरी का रहने वाला है, जिसे सिर पर पत्थर लगने से चोट आई है।

भोजन को लेकर हुआ विवाद-इस विवाद की वजह भोजन बताया जा रहा है। शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे यज्ञ में शामिल ब्राह्मणों को बासी भोजन दिए जाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। बात इतनी बढ़ गई कि यज्ञ आयोजकों ने अपने सुरक्षाकर्मियों को बुलाकर ब्राह्मणों पर लाठियां चलवा दीं। इस दौरान बाबा के बाउंसरों ने गोलियां चलाईं, जिससे भगदड़ मच गई। इसमें 2 युवक बुरी तरह जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

सड़क पर उतरे नाराज ब्राह्मण-इस घटना से गुस्साए ब्राह्मणों ने कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने थीम पार्क के सामने पथराव किया, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। स्थिति बेकाबू होती देख पुलिस ने भी सख्ती दिखाई और सड़क जाम को खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

परिसीमन पर तमिलनाडु में सर्वदलीय बैठक

- कांग्रेस समेत 58 दल के नेता हुए शामिल, स्टालिन की अगुवाई में जेएसी का 7-सूत्रीय प्रस्ताव पास...परिसिमन को 25 साल और टालें, संविधान में हो संशोधन..

- खतरे में पड़ जाएगी हमारी पहचान...संसद में सीटें कम नहीं होनी चाहिए

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा सीटों के प्रस्तावित परिसीमन को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। शनिवार को तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके ने राज्यों की पहली संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक बुलाई। बैठक में कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना के मुख्यमंत्री समेत 58 दल के नेता शामिल हुए. बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि हम परिसीमन के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि निष्पक्ष परिसीमन के पक्ष में हैं. इसमें मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने स्पष्ट किया कि इस लड़ाई को कानूनी दायरे में भी लाया जा सकता है। सीएम स्टालिन ने राजनीतिक और कानूनी कार्य योजना तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का समर्थन किया। कमेटी ने इस बात पर चिंता जताई कि आसन्न परिसीमन की प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता की कमी है, और इसमें शामिल होने वाले शेयरहोल्डर्स यानी राज्यों के साथ विचार-विमर्श नहीं किया गया।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा, परिसीमन उन राज्यों को प्रभावित करेगा, जिन्होंने परिवार योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। मणिपुर दो साल से जल रहा है लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है। क्योंकि उनके पास उन्हें सुनने के लिए सांसद नहीं हैं। प्रतिनिधित्व खोने से धन और कानूनों पर अधिकार खो देंगे। छात्र, महिलाएं, किसान प्रभावित होंगे। इससे पहचान खतरे में पड़ जाएगी। हमारे अपने देश में हमारे पास राजनीतिक अधिकार नहीं होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के जजों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर पहुंचा, विस्थापितों से करेगा मुलाकात

न्यायमूर्ति कोटिश्वर मेइती समुदाय से हैं इसलिए उनका हो रहा विरोध

इंफाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जजों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार सुबह मणिपुर पहुंचा। जज मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से मिले। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि जस्टिस बी आर गवई के नेतृत्व में शीर्ष अदालत के प्रतिनिधिमंडल का हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य के वकीलों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

न्यायाधीश राहत शिविरों का दौरा करेंगे और चुराचांदपुर जिले में लघु सचिवालय से कानूनी सेवा शिविरों, कानूनी सहायता केन्द्रों और अस्थायी चिकित्सा केन्द्रों का वर्चुल माध्यम से उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे बिष्णुपुर में मोइरांग कॉलेज में एक राहत शिविर जाएंगे। इस संबंध में एक न्यायाधीश ने कहा कि हम अभी यहां आए हैं और आगे के कार्यक्रम को लेकर आशान्वित हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह मेइती समुदाय से हैं और वह कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले का दौरा नहीं करेंगे क्योंकि वहां वकीलों के एक संगठन ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति सिंह बिष्णुपुर जिले का दौरा करेंगे।

ऑल मणिपुर बार एसोसिएशन' (एएमबीए) ने चुराचांदपुर जिले की बार एसोसिएशन से आग्रह किया है कि वह मेइती समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को कुकी-जो बहुल क्षेत्र का दौरा करने से रोकने वाले अपने निर्देश को वापस ले। एएमबीए के अध्यक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजों का यह दौरा ऐतिहासिक और अपनी तरह का पहला दौरा है।

सुप्रीम कोर्ट के जज रविवार को मणिपुर हाईकोर्ट में एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। मणिपुर में मई 2023 से अब तक मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 6 जज पहुंचे मणिपुर, जयराम रमेश ने पूछा- प्रधानमंत्री कब जाएंगे?

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के प्रतिनिधिमंडल के मणिपुर दौरे का स्वागत करते हुए कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य का दौरा कब करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मणिपुर का दौरा करने गए छह न्यायाधीशों का स्वागत करती है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 22 महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, करीब 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं और आश्रय गृहों और राहत शिविरों में रह रहे हैं। 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू हो गया, लेकिन सवाल उठता है। जब खुद सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2023 को कहा था कि मणिपुर में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है, तब भी राष्ट्रपति शासन लागू करने में 18 महीने क्यों लग गए?

भारत सहित दुनियाभर के निवेशकों को क्यों हैं 2 अप्रैल का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेशकों को 2 अप्रैल और उसके बाद अगले तीन-चार महीनों में होने वाली घटनाओं का इंतजार है। यह बात ये बाजार जानकार ने कही है। बाजार जानकार के मुताबिक, बाजार में अनिश्चितता का माहौल इसी वजह से है। बाजार की मौजूदा स्थिति शुद्ध रूप से कमाई और विकास से जुड़ी नहीं है। अब जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का मामला शांत हो गया है, तब सबकी निगाहें 2 अप्रैल की टैरिफ डेडलाइन पर टिकी हैं। दरअसल, 2 अप्रैल से ट्रंप प्रशासन उन देशों पर जवाबी टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाएगा, जो अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं। भारत को भी ट्रंप ने इसकी चेतावनी दी है। इस लेकर भारत अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।

जानकार के अनुसार, अमेरिकी बाजार में फेड की प्रतिक्रिया में कोई खास हलचल नहीं देखी गई। 2 अप्रैल को क्या होगा, यह कोई नहीं जानता। व्यवसायों के लिए सामान्य योजना बनाने के लिहाज से यह

तारीख जल्द आनी चाहिए। कई बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बाजार अब शिखर पर पहुंच चुके हैं। यह शिखर कुछ हफ्तों या महीनों के लिए नहीं, बल्कि कई सालों के लिए है। कुछ टेक, ईवी (ईवी) और चिप स्टॉक्स के स्तर शायद जल्दी वापस न आएं।

जानकार ने कहा कि अमेरिका में हमने टॉप पांच-सात स्टॉक्स को तेजी से बढ़ते देखा है। उन्होंने बाजार का एक बड़ा हिस्सा ले लिया है। जब इन स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव होता है, तब इसका असर पूरे बाजार पर पड़ता है। एनवीडिया जैसे कुछ स्टॉक्स शायद अभी के लिए शिखर पर पहुंच गए हैं। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को लेकर काफी उत्साह है। लेकिन, एआई का विकास अभी शुरुआती दौर में है। लंबी अवधि में कई कंपनियां अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी। लेकिन, बाजार की मौजूदा स्थिति शुद्ध रूप से कमाई और विकास से जुड़ी नहीं है, बल्कि यह निवेशकों की भावनाओं से भी प्रभावित है।

जानकार ने बताया कि निवेशक अनिश्चितता को पसंद नहीं करते हैं। इससे वे घबरा जाते हैं। निश्चित रूप से, सापेक्ष मुद्रा मूल्यांकन, डॉलर-रुपया और अन्य मुद्दे हैं। लेकिन, कुछ निवेशक इसे उभरते बाजारों में प्रवेश करने के मौके के रूप में देख सकते हैं, जहां वे पहले से मौजूद नहीं हैं। कुल मिलाकर, 2 अप्रैल और उसके बाद अगले तीन-चार महीनों में होने वाली घटनाओं का इंतजार रहेगा।

ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता का माहौल बन गया है। ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। ट्रंप ने कहा है कि अगर कोई देश अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाता है, तब अमेरिका भी उनके उत्पादों पर समान दर से टैरिफ लगाएगा। उन्?होंने भारत को दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक बताया है।

पाकिस्तान में जाकिर नाइक की मेहमाननवाजी पर भारत ने जताई आपत्ति

-भारत में नाइक पर लोगों को भड़काने और कट्टरता फैलाने का है आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक की पाकिस्तान में खूब खातिरदारी पर भारत ने आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा है कि पाकिस्तान की ओर से जाकिर नाइक को शरण देना इस बात को दर्शाता है कि वह उसको समर्थन दे रहा है। भारत सरकार नाइक पर लोगों को भड़काने और कट्टरता फैलाने का आरोप लगाती है।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ और पंजाब की सीएम मरियम नवाज से रायविंड स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनके बीच कई मुद्दों पर लेकर चर्चा हुई। हालांकि, इस बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विदेश मंत्रालय के नाइक के प्रत्यर्पण की मांग के बावजूद पाकिस्तान में उन्हें दी जा रही सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए रंधीर जायसवाल ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब जाकिर नाइक की पाकिस्तान में ऐसी मेहमान नवाज़ी हो रही है। यह दिखाता है कि उनके मेज़बानों की मानसिकता क्या है और यह हमारे लिए क्या मायने रखता है।

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज को भी जाकिर नाइक से मुलाकात करने पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हफीज ने सोशल मीडिया पर जाकिर नाइक के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- जाकिर नाइक से मिलकर खुशी हुई। इस पोस्ट के बाद हफीज की कड़ी आलोचना हुई। रिपोर्ट के मुताबिक एक यूज़र ने कमेंट किया, 'यही कारण है कि भारतीय क्रिकेट टीम और भारत सरकार पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहती है।

पाकिस्तान के ईसाई समुदाय ने भी जाकिर नाइक के बयानों पर नाराज़गी जताई है। 24 अक्टूबर 2024 को चर्च ऑफ पाकिस्तान के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि जाकिर नाइक ने अपने हालिया पाकिस्तान दौरे के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पाकिस्तान में जाकिर नाइक को मिल रहे समर्थन को लेकर भारत लगातार सख्त रुख अपना रहा है।

नागपुर हिंसा में घायल एक शख्स की मौत, फडणवीस बोले

नुकसान की भरपाई दंगाइयों से होगी, जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रदर्शन के बाद 17 मार्च को नागपुर में हिंसा हुई थी। घटना के पांचवें दिन शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा किहिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी। उन्होंने विपक्ष के आरोप पर कहा कि हिंसा इंटेलिजेंस फेल्योर या राजनीतिक साजिश नहीं थी। लेडी कॉन्स्टेबल के साथ छेड़छाड़ की खबर

सच नहीं है। उन पर पत्थर जरूर फेंके गए थे।

फडणवीस ने बताया कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि हिंसा में कोई विदेशी या बांग्लादेशी एंगल था। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल नागपुर दौरे पर आया था, उसमें एक सदस्य अकोला हिंसा में आरोपी है। उन्होंने बताया कि हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर दौरा प्रभावित नहीं होगा।

हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत

नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1:20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था। हिंसा से प्रभावित इलाकों में से एक नागपुर रेलवे स्टेशन भी है।

एक और गिरफ्तारी, जांच क्राइम ब्रांच को

इस बीच नागपुर हिंसा के मामले में शुक्रवार देर रात हामिद इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया। हामिद माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष है। रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार ने हिंसा की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार बोले-मुस्लिमों को आंख दिखाने वाले को बख्शेंगे नहीं

मुंबई। नागपुर में 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद महाराष्ट्र में लगातार नेताओं की बयानबाजी जारी है। इस बीच डिप्टी सीएम अजित पवार ने मुस्लिम समुदाय को सुरक्षा का आश्वासन दिया है। अजित पवार ने कहा कि जो भी मुस्लिम भाइयों को आंख दिखाएगा, दो समूहों के बीच संघर्ष भड़काकर कानून व्यवस्था को बाधित करेगा और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा। वह चाहे कोई भी हो, उसे किसी भी हालत में बख्शा या माफ नहीं किया जाएगा। पवार ने ये बयान पार्टी की ओर से मुंबई के इस्लाम जिमखाना में शुक्रवार को दी गई इफ्तार पार्टी के दौरान दिया। पवार ने ये भी कहा- रमजान सिर्फ एक धर्म तक सीमित नहीं है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबा साहब अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले और शाहू जी महाराज ने जातियों को एकसाथ लाकर समाज के उत्थान का मार्ग दिखाया। हमें इस विरासत को आगे बढ़ाना है। उधर, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर हिंसा की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।

थरूर की क्षमताओं को नहीं भुना पा रही कांग्रेस, इसलिए खटखटा सकते हैं भाजपा का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम से चौथी बार सांसद चुने गए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और भाषण देने की कला उन्हें खास बनाती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में उनके और कांग्रेस नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ी हैं।थरूर को लगता है कि कांग्रेस उनकी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल नहीं कर रही। 2022 में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा, लेकिन मल्लिकार्जुन खरगे से हार गए। ऐसे में कहा जाने लगा है कि थरुर कभी भी भाजपा का दरवाजा खटखटा सकते है।

इस आशय के संकेत कई बार खुद थरूर दे चुके हैं। कभी वे कांग्रेस पार्टी के गाइडलाइन से हटकर बयान देते हैं तो कभी पीएम नरेंद्र मोदी और केरल की वामपंथी सरकार की तारीफ करते हैं। शनिवार को ही उनकी एक तस्वीर सामने आई है जिसमें वह भाजपा के सांसद जय पांडा के साथ दिख रहे हैं। जानकारों का कहना है कि वह चाहते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। लेकिन, राहुल गांधी और गांधी परिवार के प्रति उनकी वफादारी संदेश के घेरे में है। शशि थरूर केरल से आते हैं। वह तिरुवनंतपुरम से लगातार जीतते आए हैं। लेकिन, केरल कांग्रेस में उनकी नहीं चलती है। थरूर ने कई बार कहा है कि केरल में कांग्रेस को मजबूत नेतृत्व चाहिए। वह खुद को मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त मानते हैं। राज्य में उनकी लोकप्रियता भी अच्छी है, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उनकी इस इच्छा पर ध्यान नहीं दिया। थरूर अक्सर पार्टी लाइन से हटकर बयान देते हैं। हाल ही में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केरल की वामपंथी सरकार की तारीफ की, जिससे कांग्रेस असहज हुई। थरूर ने कहा कि मोदी-ट्रंप मुलाकात भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है। यह कांग्रेस पार्टी की राय से अलग राय है। कुछ नेताओं को लगता है कि वह पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। थरूर के सामने कांग्रेस के बाहर भी विकल्प हैं। केरल में सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन (एलडीएफ) ने संकेत दिया है कि वह थरूर को स्वीकार कर सकता है।

बीजेपी भी उन्हें दक्षिण भारत में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है। एनसीपी जैसे अन्य दल भी उनके साथ जुड़ने को तैयार हैं। ऐसे में वह कांग्रेस छोड़ने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। सबसे अहम कारण शशि थरूर की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा है। थरूर सिर्फ सांसद बनकर नहीं रहना चाहते। वह संसद में बड़ी बहसों में शामिल होना चाहते हैं और राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर प्रभावशाली भूमिका निभाना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस में उन्हें मौके नहीं मिल रहे। राहुल गांधी से उनकी हाल की मुलाकात भी बेनतीजा रही। अगर थरूर कांग्रेस छोड़ते हैं तो यह पार्टी के लिए बड़ा झटका होगा। दक्षिण भारत, खासकर केरल में वह

एक मजबूत चेहरा हैं। उनकी विद्वता और लोकप्रियता कांग्रेस को फायदा पहुंचाती है। उनके जाने से पार्टी की छवि और वोट बैंक पर असर पड़ सकता है। हालांकि संगठन के स्तर पर शशि थरूर उतना प्रभावी नहीं हैं। वह कोई जननेता नहीं हैं। मौजूदा हालात देखकर लगता है कि वह जल्द ही कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। उनकी नाराजगी, पार्टी से मतभेद और बाहर के विकल्प इस संभावना को मजबूत करते हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की ओर दिया जा रहा है विशेष ध्यान

प्रहलाद सबनानी

आज, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है।

प्राचीनकाल में भारत के नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का भाव जागृत रहता था। जागरूकता तो यहां तक थी कि किस प्रकार जीवन की दिनचर्या स्थापित हो कि परिवार में कोई बीमार ही नहीं हो, बीमारी का निदान तो आगे की प्रक्रिया रहती है। उस खंडकाल में प्रत्येक नागरिक इतना सजग रहता था कि प्रातःकाल एवं सायंकाल में 5/10 किलोमीटर तक नियमित रूप से पैदल चलना एवं योगक्रिया तथा प्राणायाम आदि का अभ्यास नियमित रूप से करता था ताकि शरीर को किसी भी प्रकार का रोग ही नहीं लगे एवं शरीर स्वस्थ बना रहे। इसके साथ ही खानपान, सामान्य दिनचर्या, सूरज डूबने के पूर्व भोजन करना, रात्रि में जल्दी सोना और प्रातःकाल में जल्दी उठना, दिन भर मेहनत के कार्य करना, जैसी प्रक्रिया सामान्यजन की हुआ करती थी। परंतु, आज परिस्थितियां बदली हुई सी दिखाई देती हैं। पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे रुझान के चलते युवाओं के खानपान में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई देता है, दिनचर्या में परिवर्तन दिखाई देता है, रात्रि में बहुत देर से सोना और सूर्य नारायण के उदित होने के पश्चात दिन में बहुत देर से उठना आदि कारणों के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां नागरिकों को घेरने लगी हैं। अतः केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान करने पड़ रहे हैं।

आज, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है।

भारत में, नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। अतः केंद्र सरकार ने कैंसर दवाओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा, अपनी सक्रिय

भूमिका का निर्वहन करते हुए, सर्वाइकल कैंसर के लिए अब तक लगभग नौ करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। देश में लगातार बढ़ रही कैंसर के मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के समस्त जिलों में आगामी 3 वर्षों के दौरान डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 200 डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना की जा रही है।

इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से दिमागी बुखार से लड़ने में देश को बहुत सफलता मिली है। इससे होने वाली मृत्यु दर अब घटकर छह प्रतिशत रह गयी है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी के मरीजों की संख्या भी घटी है। भारत को टीबी मुक्त बनाए जाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की सही ट्रैकिंग रखने के लिए व-हक्ट नामक पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल पर अब तक लगभग तीस करोड़ वैक्सीन खुराक दर्ज हो चुकी है। टेली मेडिसिन के माध्यम से तीस करोड़ से अधिक ईझटेली-कन्सल्टेशन से नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिला है।

देश में यदि विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं तो इन बीमारियों के पहचानने के लिए उचित संख्या में डॉक्टरों की उपलब्धता बनी रहे एवं विशेष रूप से गांवों में भी डॉक्टर उपलब्ध रहें इस हेतु केंद्र सरकार द्वारा देश में डॉक्टरों की संख्या को बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में 110,000 नई मेडिकल सीटों का सृजन, 130 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों का सृजन भी किया जा रहा है ताकि आगामी पांच वर्षों के दौरान देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटों के सृजन के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। साथ ही, केंद्र सरकार हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग को भी बढ़ावा दे रही है। देश में नए बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइसेस के पार्क भी बनाए जा रहे हैं। इनमें रोजगार के अनेक नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं।

जल जनित बीमारियों के बचाव के उद्देश्य से, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दृष्टि से, ताकि दूषित जल पीने से होने वाली बीमारियों से नागरिकों की रक्षा की जा सके, केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है और अभी तक 15 करोड़ परिवारों (भारत की 80 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या) को इस योजना के अंतर्गत नलों के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा चुका है।

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दृष्टि से भारत में निवासरत नागरिक एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं। अन्यथा, अन्य कई विकसित देशों में आज स्वास्थ्य सेवाएं न केवल अत्यधिक महंगी दरों पर उपलब्ध हो रही हैं बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर उपलब्ध होना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में किसी नागरिक को यदि किसी डॉक्टर से अपाइंटमेंट लेना हो तो कभी कभी तो एक माह तक इसका इंतजार करना होता है। इमर्जेन्सी की स्थिति में विशेष इमर्जेन्सी अस्पताल में दिखाना होता है, जहां अत्यधिक महंगी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती है। यदि किसी नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध नहीं है तो सम्भव है कि पूरे जीवन भर की कमाई इन विशेष इमर्जेन्सी अस्पतालों में खर्च हो जाए। अतः स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में अमेरिका में आज डॉक्टर को दिखाकर दवाई लेना अति मुश्किल काम है। इन विकसित देशों के विपरीत, भारत में तो किसी भी मोहल्ले में डॉक्टर को बहुत आसानी से दिखाया जा सकता है एवं तुरंत दवाई ली जा सकती है। आज अमेरिका में स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि वहां के नागरिक बीमार होने की स्थिति में, स्थानीय डॉक्टर से चूंकि तुरंत समय नहीं मिल पाता है अतः, ये बीमार नागरिक आस पास के देशों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में बिना मेडिकल बीमा के आप इन देशों में जिंदा नहीं रह सकते। अब आप कल्पना करें कि भारत में इलाज कराना कितना आसान है एवं वास्तव में ही इस दृष्टि से हम भारत में एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, देश में उत्तम स्थिति तो यह होनी चाहिए कि देश के नागरिक बीमार ही नहीं पड़ें, यह तभी सम्भव है जब देश के नागरिक अपनी सनातन संस्कृति के संस्कारों का नियमित रूप से अनुपालन पुनः प्रारम्भ करें। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो केंद्र एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए इसी प्रकार अपने बजट में बहुत बड़ी राशि का प्रावधान करते रहना पड़ेगा।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

मुर्दों पर राजनीति

अमृता आर. पंडित

शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटा कर पुलिस ने तेरह महीनों से अवरोधित अमृतसर-अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खुलवा दिया। सीमा पर लगे सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें, कंटीले तारों से लगाए गए ये अवरोधक हटाने में कड़ी मशक्कत की गई। किसानों के टेंट भी हटा दिए गए। पंजाब में अभी भी एक हजार से ज्यादा किसान हिरासत में हैं। सौ से ज्यादा प्रदर्शनकारी किसानों पर केस दर्ज कर उन्हें पटियाला जेल भेजा गया। सरकार कीकर्रवाई से नाराज किसानों का पुलिस से टकराव भी हुआ। हालांकि पंजाब सरकार ने किसान नेताओं को बैठक के लिए बुलाया है। बता रहे हैं, बॉर्डर बंद होने का सीधा असर कारोबार पर पड़.रहा था। तेरह महीनों में कारोबारियों को दस हजार करोड़.रुपये का नुकसान होने का अंदाजा है। यहां तमाम औद्योगिक इकाइयों में ताला पड़ा है और धंधा पूरी तरह ठप है। स्थानीय लोगों की आवाजाही पर तो असर है ही, बॉर्डर अवरोधकों के कारण लोगों को लंबी दूरी घूम कर संकरे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़.रहा था जिससे आसपास के इलाकों का यातायात प्रभावित हो रहा था। राज्य में बंदी के चलते सरकार को हर बार नब्बे करोड़. से अधिक के राजस्व से भी हाथ धोना पड़ा। बावजूद इसके तकरीबन चार सौ दिनों तक सीमा पर बसे प्रदर्शनकारी किसानों ने अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर ढ़ाई किमी. तक अस्थाई व्यवस्था कर ली थी जिसमें रिहाइश से लेकर दफ्तर, शौचालय, स्टोर, रसोई और लंगर स्थल सब चल रहे थे। बहरहाल, अभी उनकी कोई रणनीति सामने नहीं आई है परंतु उनका रोष और हताशा समझी जा सकती है। वे कह रहे हैं कि उनका आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है। सरकार को ऐसा कड़ा कदम उठाने से पहले उन्हें चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी। विरोध या प्रदर्शन करना जनता का अधिकार है। सरकार का दायित्व है, बगैर जोर-जबरदस्ती के किसानों की बात सुने और कोई दरम्याना रास्ता निकाले।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

भाजपा "किंकर्तव्यविमूढ़"

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की टेंशन बढ़ी हुई है। इस टेंशन की वजह विपक्षी दल नहीं बल्कि सरकार में प्रमुख सहयोगी दल और बिहार के सीएम नीतीश कुमार हैं। नीतीश कुमार का अप्रत्याशित और 'अनियमित' व्यवहार जारी रहने के कारण भाजपा "किंकर्तव्यविमूढ़" है । बताया जाता है कि भाजपा का एक धड़ा उनके 'खराब स्वास्थ्य' के नतीजों को लेकर चिंतित है। हालांकि पार्टी उनके नेतृत्व में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने पर अड़ी हुई है। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार उस स्थान को प्राप्त कर चुके हैं जहां पहुंचने का नसीब विरलों को ही मिलता है।

फिलहाल देश की समकालीन राजनीति में देखें तो अजातशत्रु कहलाने का दावा केवल नीतीश कुमार ही कर सकते हैं। खुद लालू परिवार आज चौतरफा नीतीश कुमार पर हमले कर रहा है। पर नीतीश कुमार का साथ पाने के लिए परिवार के लोग अलग विचार रखते हैं। नीतीश कुमार तमाम विरोध के बावजूद अपने विरोध के स्तर को कम से कम लालू परिवार के लिए बहुत निचले स्तर पर नहीं ले जाते हैं। जबकि आरजेडी के साथ गठबंधन खत्म होने के बाद एक दौर ऐसा था तेजस्वी कितने दिनों तक एक्स पर लगतार नीतीश के लिए बहुत ही अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे। नीतीश कुमार देश के एक मात्र ऐसे नेता हैं जिनके पक्ष और विपक्ष दोनों में बराबर शुभचिंतक हैं। एनडीए के खिलाफ इंडिया गठबंधन को धरातल पर लाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। जब से नीतीश कुमार ने इंडिया गुट को छोड़ा तब से लगातार यह गठबंधन कमजोर होता गया।यह नीतीश के व्यक्तित्व का ही कमाल है कि सिर्फ 2 परसेंट सजातीय वोट के साथ वे बिहार की राजनीति में 3 दशकों से सेंटर ऑफ अट्रेक्शन बने हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि भाजपा को जेडीयू और एलजेपी के साथ एक और कार्यकाल जीतने का भरोसा है, लेकिन पार्टी की चिंता यह है कि स-ार्वजनिक रूप से कुमार के अप्रत्याशित व्यवहार ने अक्सर विरोधियों को मौका दिया है। हालांकि, पार्टी का मानना है कि कुमार एक मूल्यवान भागीदार बने रहेंगे और आरजेडी के 'जंगल राज' की यादें 'सत्ता विरोधी भावना' की किसी भी संभावना को खत्म कर देंगी।

नीतीशकुमार का व्यवहार एक समान नहीं रहा है। ऐसे दिन भी आए हैं जब कोई दुर्घटना नहीं हुई और वे नियंत्रण में दिखे, जैसे कि उनकी 'प्रगति यात्रा' के दौरान, भले ही वे कई दिनों तक लोगों की नजरों में रहे हों। लेकिन ऐसे भी दिन आए जब कुमार ने इस तरह का व्यवहार किया कि उनके विरोधियों ने उनका मजाक उड़ाया और उनके समर्थकों को इसे सही ठहराना मुश्किल हो गया।

भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि नीतीश कुमार अपने उतार-चढ़ाव भरे तरीकों से उबरेंगे।

राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने शुक्रवार को उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सोचना चाहिए कि बिहार किसके हाथ में है। भारती ने कहा कि राष्ट्रगान के दौरान बिहार के सीएम नीतीश कुमार शारीरिक और मानसिक रूप से ठीक नहीं दिखे। मैं पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहती हूं कि क्या आपको उनकी मानसिक स्थिति ठीक लगी। वह हर दिन महिलाओं, बच्चों का अपमान करते रहते हैं। पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सोचना चाहिए कि बिहार किसके हाथ में है।कहा तो यहाँ तक जाता है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है। वे अपने को बीमार भले न बताएं या मानें, पर यह सत्य अब छिपा नहीं है। पटना में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के वक्त होने वाले राष्ट्रगान के दौरान नीतीश कुमार की असामान्य हरकत सबने देखी ऐसी घटनाएँ लंबे समय से चली आ रही इस आशंका की पुष्टि हुई कि वे मानसिक तौर पर सहज और सचेत नहीं हैं। उनकी बीमारी का पहला संकेत तो उसी दिन सार्वजनिक हो गया था, जब दो साल पहले उन्होंने अपने जनता दरबार में खुद को ही खोजना शुरू किया था। नीतीश कुमार की असामान्य हरकतों का कुछ हद तक एहसास तब भी हुआ था, जब 2020 के चुनाव में उनकी झुंझलाहट लोगों ने पहली बार महसूस की। नार्थ बिहार की एक सभा में जब कुछ लोगों ने उनके खिलाफ नारे लगाए तो वे भड़क गए थे। उन्होंने कहा था कि वोट देना है तो दीजिए, वर्ना उनकी सभा से चले जाइए। उन्हीं दिनों उन्होंने यह भी कह दिया था कि यह उनका आखिरी चुनाव है। तेजस्वी यादव ने जब पहली कैबिनेट बैठक में 10 लाख लोगों को नौकरी देने की घोषणा की, तब भी नीतीश तिलमिलाए थे। नीतीश कुमार के स्वभाव में बदलाव 2020 से लगातार दिखते रहे हैं। अशोक चौधरी के घर श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे नीतीश ने उन पर ही फूल उछाल दिए थे।

एक मौके पर तो उन्होंने अशोक चौधरी और विजय सिन्हा के सिर टकरा दिए थे। इसी साल महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर वे सैल्यूट के वक्त ताली बजाने लगे थे। कभी पीएम मोदी तो कभी भाजपा नेता रविशंकर के पैर छूने की उन्होंने कोशिश की। आश्चर्य की बात यह है कि भाजपा हो या जेडीयू-आरजेडी किसी के पास ऐसा कोई नेता नहीं है जिस-ाके चलते नीतीश कुमार को इग्नोर किया जा सके। नीतीश अगर बीमार हैं तो भी अन्य नेताओं के मुकाबले उनकी स्थिति बेहतर है। इसलिए उनके रिजाइन करने की बात बेमानी हो जाती है।आरजेडी भले ही मांग कर रही है कि नीतीश कुमार रिजाइन कर दें। पर आरजेडी नेताओं को पता है कि नीतीश कुमार की जगह कोई दूसरा लेता है तो वो उनके लिए और मुश्किल होनी तय है।

अशोक भाटिया (पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार)

राजेश श्रीवास्तव

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कठोर कानून

निर्भया कांड के बाद देश में एक अभूतपूर्व जनआक्रोश देखने को मिला, जिसने सरकार को मजबूर किया कि वह महिलाओं की सुरक्षा के लिए कठोर कानून बनाए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के तहत बलात्कार और यौन अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया, और बाद में 2018 में नाबालिग बच्चियों के मामलों में मृत्युदंड तक की व्यवस्था हुई। लेकिन कठोर कानूनों के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई। हर दिन समाचार पत्रों और मीडिया में महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचारों की खबरें हमें सोचने पर मजबूर करती हैं कि आखिर समस्या कहां है—क्या केवल कानून बनाना पर्याप्त है या समाज की मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है? आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं को डर के माहौल में जीना पड़ता है। सार्वजनिक स्थानों से लेकर कार्यस्थलों तक, घर से लेकर सड़क तक, हर जगह वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या लगातार बढ़ रही है। समाज में बढ़ते लैंगिक भेदभाव, पितृसत्तात्मक सोच, आर्थिक असमानता और साइबर अपराधों ने महिलाओं के जीवन को और भी कठिन बना दिया है। तकनीक ने जहां एक ओर उन्हें नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर ऑनलाइन उत्पीड़न और शोषण की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं। इन सभी परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट है कि केवल सख्त कानून बना देना ही समाधान नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करना होगा। सरकारें समय-समय पर योजनाएं और नीतियां बनाती हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की स्थिति संतोषजनक नहीं है। निर्भया फंड जैसी योजनाओं के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए गए, लेकिन उनका सही उपयोग बेहद सीमित रहा। पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति भी महिलाओं को न्याय दिलाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। शिकायत दर्ज कराने से लेकर अदालती फैसले आने तक का लंबा इंतजार न केवल पीड़िता बल्कि पूरे समाज में न्याय प्रणाली के प्रति अविश्वास पैदा करता है। कई मामलों में अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है, जिससे न्याय और भी कठिन हो जाता है। फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था के बावजूद लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, झूठे मुकदमों का चलन भी एक गंभीर समस्या बन चुका है। कुछ मामलों में महिलाएं व्यक्तिगत रंजिश, प्रतिशोध या लालच में झूठे आरोप लगाकर निर्दोष पुरुषों को फंसाती हैं, जिससे न्याय प्रणाली का दुरुपयोग होता है। झूठे मुकदमों के बढ़ते मामलों के कारण वास्तविक पीड़िताओं की शिकायतों पर भी संदेह किया जाने लगा है, जिससे उनका न्याय पाना और कठिन हो गया है। यह प्रवृत्ति समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को भी प्रभावित कर रही है, क्योंकि जब झूठे आरोपों के मामले उजागर होते हैं, तो समाज वास्तविक पीड़िताओं के प्रति भी सहानुभूति कम करने लगता है। कई बार अदालतों की टिप्पणियों में भी महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह देखने को मिलता है। न्यायपालिका को निष्पक्ष और संवेदनशील होना चाहिए, लेकिन कभी-कभी ऐसी टिप्पणियां की जाती हैं जो समाज में गलत संदेश देती हैं। हालांकि, कई ऐतिहासिक फैसले भी आए हैं, जिन्होंने महिलाओं के अधिकारों को मजबूत किया है, लेकिन न्यायपालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को और अधिक बढ़ाए और पीड़िताओं को न्याय दिलाने में तेजी लाए। समाज में नैतिक मूल्यों का लगातार पतन हो रहा है। संयुक्त परिवारों का विघटन, नैतिक शिक्षा की उपेक्षा, इंटरनेट और मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता, तथा महिलाओं के प्रति विकृत मानसिकता ने अपराधों को बढ़ावा दिया है। आज की युवा पीढ़ी को सही दिशा देने की आवश्यकता है। माता-पिता को बचपन से ही बच्चों को महिलाओं का सम्मान करना सिखाना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा को अनिवार्य करना होगा, ताकि युवा पीढ़ी महिलाओं के प्रति संवेदनशील बने और उनके अधिकारों का सम्मान करे। मीडिया और सिनेमा की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस प्रकार महिलाओं को फिल्मों और विज्ञापनों में वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वह समाज में गलत संदेश देता है। मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही सामग्री को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। महिला सुरक्षा के लिए तकनीक का सही इस्तेमाल भी आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, महिला हेल्पलाइन को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए और आपातकालीन स-ारक्षा एप्स को अधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लेकिन सबसे बड़ी आवश्यकता समाज की मानसि-ाकता बदलने की है। अपराधी डर से नहीं, बल्कि संस्कारों से रुकते हैं। कानून का भय आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है नैतिकता की शिक्षा और महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता। समाज, सरकार और न्यायपालिका को एक साथ आकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। केवल कानून बनाना या दोषियों को सजा देना ही समाधान नहीं है, बल्कि समाज को ऐसी मानसिकता विकसित करनी होगी जहां महिलाओं का सम्मान स्वाभाविक रूप से किया जाए। जब तक महिलाओं को भयमुक्त वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक समाज का वास्तविक विकास संभव नहीं होगा। यह केवल महिलाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है कि वे एक ऐसा माहौल बनाएं जहां हर महिला खुद को सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सके।

जब तक यह बदलाव नहीं आएगा, तब तक निर्भया जैसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी, और हम सख्त कानूनों के बावजूद केवल बहस ही करते रहेंगे। अब समय आ गया है कि हम केवल प्रतिक्रियाओं तक सीमित न रहें, बल्कि वास्तविक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

पुलिस ने शातिर बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी जिले की सदर बाजार थाना पुलिस ने 83 आपराधिक मामलों में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान अर्जुन उर्फ चिमटा बादल उर्फ चेंजर उर्फ सुदामा (35) के रूप में हुई है। सदर बाजार इलाके में इसने एक युवक का महंगा मोबाइल झपट लिया था। पुलिस ने उसे रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने उसके कब्जे से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित दिसंबर 2024 में ही जेल से बाहर आया है। नशे की लत को पूरा करने के लिए उसने दोबारा अपराध शुरू कर दिया। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने शनिवार को बताया कि 19 मार्च की रात को उनकी टीम ग्रीन मार्केट, सदर बाजार में पेट्रोलिंग पर थी। इस बीच उन्होंने चोर-चोर का शोर सुना। जांच में पता चला कि एक युवक दूसरे व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा है। उसे दबोच लिया गया। उसके पास से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि पकड़ा गया आरोपित 83 मामलों में शामिल है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने शुक्रवार रात डीडीए ग्राउंड, निरंकारी भवन के पास मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विशाल उर्फ बादल और कन्हैया उर्फ अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की स्कूटी व एक व दो पिस्तौल बरामद की है। शुरुआती जांच में पता चला है कि विशाल उर्फ बादल अशोक विहार में हत्या व डकैती के मामले में वांछित चल रहा था जबकि कन्हैया उर्फ अमित समयपुर बादली इलाके में हुई डकैती के मामले में वांछित था। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि दो बदमाश निरंकारी भवन के पास किसी से मिलने के लिए आने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। देर रात स्कूटी पर पुलिस को दो संदिग्ध युवक स्कूटी से आते दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने भी की। पुलिस की एक गोली विशाल उर्फ बादल के पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को धर दबोचा।

जूता शोरूम में लगी आग, पांच घंटे में पाया जा सका काबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्वी जिले के शाहीन बाग इलाके में शनिवार सुबह जूते के एक शोरूम में भयंकर आग लग गई। शोरूम के भूतल से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते पहली मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 12 गाड़ियों समेत दमकलकर्मियो के अलावा स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसके बाद दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत यह रही कि पूरे हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शुरुआती जांच में आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगने की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के सटीक कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह 11.17 बजे सूचना मिली की शाहीन बाग मार्केट स्थित जूते के शोरूम में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू किया। शोरूम के बेसमेंट में कपड़ों की दुकान है। जबकि जूते का शोरूम भूतल पर है। भूतल के अलावा पहली मंजिल पर जूते के शोरूम मालिक ने स्टोर रूम बना रखा था। सुबह का समय होने के चलते दुकान व आसपास के दुकानों में ज्यादा भीड़ नहीं थी। लेकिन दमकल की टीम के पहुंचने तक शोरूम के भूतल से शुरू हुई आग की लपटों ने प्रथम तल को भी अपनी चपेट में ले लिया। बढ़ती आग को देखते हुए दमकल ने मौके पर हाइड्रोलिक मशीन बुलाई। इसके बाद दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। वहीं, आग की लपटों व धुंए के चलते आसपास के रहने वाले लोगों को काफी समय तक परेशानी हुई।

दिल्ली-पुलिस जनसुनवाई में 57 शिकायतों का किया समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने पांच उपखंडों में जनसुनवाई का कार्यक्रम किया गया। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा और एडिशनल डीसीपी संदीप लम्बा की देखरेख में सीलमपुर, गोकुलपुरी, भजनपुरा, खजूरी खास व नंद नगरी में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लोगों की परेशानियां सुनीं। सुनवाई के दौरान पुलिस को कुल 64 शिकायतें मिलीं। इनमें से 57 शिकायतों का तुरंत समाधान करते हुए निस्तारण कर दिया गया। अन्य शिकायतों के जल्द निस्तारण के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

पेपर कटर के बल पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शास्त्री पार्क थाना पुलिस टीम ने पेपर कटर के बल पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में इकबाल खान उर्फ बल्लू, मोनू कोली और अजीम अंसारी है। पुलिस ने इनके पास से लूटी गई नकदी में से 2700 रुपए और मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल किया गया पेपर कटर बरामद किया है। उत्तरी-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि थाना प्रभारी मंजीत तोमर की देखरेख में गठित टीम ने विभिन्न स्रोतों से खुफिया जानकारी एकत्र की और एकत्रित जानकारी के आधार पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। शास्त्री पार्क निवासी दीपांशु धूरिया ने 19 मार्च को शास्त्री पार्क थाने में लूट की शिकायत दी थी, 18 मार्च को जब वह शास्त्री पार्क फ्लाईओवर से सीलमपुर की ओर जा रहा था। इसी बीच जीटी रोड के पास अचानक आए तीन बदमाशों ने उनके साथ लूटपाट शुरू कर दी।

जस्टिस वर्मा के पुराने मामले आने लगे सामने, सिम्भौली शुगर घोटाले में उनकी भूमिका पर उठे सवाल

-कांग्रेस ने मामले को बहुत ही गंभीर बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनके सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नगदी मिली थी। यह खुलासा तब हुआ जब जज वर्मा के घर में आग लगने की सूचना के बाद दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच की। बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद एक पुराने आर्थिक घोटाले की परतें फिर से खुलने लगी हैं। यह घोटाला सिम्भौली शुगर मिल फ्रॉड केस से जुड़ा हुआ है, जिसमें जस्टिस वर्मा भी एक आरोपी के रूप में नामित थे।

2018 में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सिम्भौली शुगर मिल्स लिमिटेड के खिलाफ एक जांच शुरू की थी, इसमें कंपनी पर ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स से लिए गए करोड़ों रुपये के ऋण को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप था। बैंक ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने किसानों के लिए जारी किए गए 97.85 करोड़ रुपये के ऋण का दुरुपयोग कर धनराशियों को अन्य उद्देश्यों के लिए मोड़ दिया। मई 2015 तक घोटाले को संभावित धोखाधड़ी मानकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रिपोर्ट कर दिया गया था। सीबीआई ने मामले में 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, इसमें यशवंत वर्मा 10वें आरोपी के रूप में सूचीबद्ध थे। तब, वह कंपनी के नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में कार्यरत थे। हालांकि, जांच धीमी होती चली गई और किसी बड़े कदम की घोषणा नहीं की गई।

फरवरी 2024 में एक अदालत ने सीबीआई को बंद पड़ी इस जांच को फिर शुरू करने का आदेश दिया था। लेकिन इसके कुछ ही समय बाद, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को पलट दिया, जिससे सीबीआई की प्रारंभिक जांच को तत्काल प्रभाव से बंद किया गया। इस फैसले के बाद, सिम्भौली शुगर मिल घोटाले से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की किसी भी जांच की संभावना खत्म हो गई।

हालांकि भारी मात्रा में नकदी मिलने से उनकी पुरानी वित्तीय गतिविधियों पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। इससे न केवल उनकी 22 वर्षों की बेदाग न्यायिक छवि प्रभावित हुई है, बल्कि सिम्भौली शुगर घोटाले में उनकी भूमिका पर भी नए सिरे से बहस छिड़ गई है।

कांग्रेस ने साधा निशाना

कांग्रेस पार्टी ने मामले पर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने

कहा, यह बेहद गंभीर मामला है। जस्टिस वर्मा उन्नाव बलात्कार जैसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई कर रहे थे। जनता के न्यायपालिका में भरोसे को बनाए रखने के लिए यह पता लगाना जरूरी है कि यह पैसा किसका था और इस पैसे को जज को क्यों दिया गया। उन्होंने तंज कसा कि दमकल विभाग ईडी और सीबीआई से बेहतर काम कर रहा है।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया : डॉ.विनोद भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल (दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी) के सहयोग से आपदा प्रबंधन का संगठन (ओडीएम) द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक आपदा प्रबंधन कौशल से लैस करना था, जिसमें भूकंप की आपात स्थिति, आग की आपात स्थिति और उपकरणों के उपयोग के बिना बचाव के आपातकालीन तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र का नेतृत्व आपदा प्रबंधकों के संगठन के अध्यक्ष डॉ. विनोद भारद्वाज ने किया, जिन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण और लाइव प्रदर्शन प्रदान किए। विशेषज्ञ डॉ. विनोद भारद्वाज ने प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि प्रतिभागियों को आपात स्थिति के प्रबंधन के लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों प्राप्त हों। विनोद भारद्वाज ने बताया फोकस क्षेत्र रहा भूकंप की आपात स्थिति भूकंप के पीछे के विज्ञान को समझना और ऐसी घटनाओं के दौरान उठाए जाने वाले तत्काल कदम। आग लगने पर तेजी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने की तकनीक सीखना। बचाव के आपातकालीन तरीके (ईएमआर)-विशेष उपकरणों के बिना सुरक्षित और प्रभावी ढंग से बचाव करने के लिए कौशल प्राप्त करना। नेतृत्व से प्रतिक्रिया:- दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल के प्रिंसिपल मुल्क राज ने इस पहल की सराहना की, छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि सीखे गए कौशल आवश्यक जीवन रक्षक तकनीक प्रदान करेंगे, विशेष रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में शामिल लोगों को लाभान्वित करेंगे। भविष्य का सहयोग मुल्क राज ने भविष्य के आपदा प्रबंधन आयोजनों के लिए आपदा प्रबंधकों के संगठन के साथ सहयोग करने के इरादे का भी उल्लेख किया, जो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में चल रही शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आतिशी द्वारा भाजपा मंत्रियों पर लगाए गंभीर आरोपों की जांच हो : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की दिल्ली से दूरी बनाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा दिल्ली में भाजपा मंत्रियों पर अधिकारियों से 10 प्रतिशत कमीशन मांगने के गंभीर आरोपों की जांच हो ताकि कमीशन लेने और देने के सोर्स का खुलासा हो सकें। आतिशी को इसमें सहयोग करते हुए दोषियों के नाम उजागर करने चाहिए। भाजपा मंत्रियों पर लगाए गए आरोप के खिलाफ आतिशी को एफ.आई.आर. दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बार-बार मंत्रियों के कहने के बावजूद अधिकारी काम नही कर रहे है तो दिल्ली सरकार किसके इशारे पर चल रही है। चुने हुए प्रतिनिधियों की बात अधिकारियों द्वारा नही सुनना गंभीर विषय है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण दिल्ली के हालात बदहाल हो चुके हैं, उन्हें सुधारने और जनता से किए वादों को पूरा करने की जगह नई भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री और मंत्री अपने को सरकारी तंत्र में व्यवस्थित करने में लगे है। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा का अधिकारियों के प्रति अपशब्दों वाला व्यवहार प्रशासनिक प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा मंत्रीमंडल कमीशन छोड़ काम पर ध्यान दें। देवेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और मंत्रियों द्वारा निरीक्षण के बावजूद जगह-जगह नाले और नालियां खुली पड़ी है। कल खजूरी खास के खुले नाले में एक बच्ची के गिरने से उसकी मौत हो गई, जिसके लिए मौजूदा सरकार और सम्बधित विभाग के अधिकारी जिम्मेदार है। उन्होंने भाजपा मुख्यमंत्री से पूछा कि खुल पड़े नाले नालियों के कारण क्या पिछले साल का इतिहास मानसून में दोहराया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि क्या पहले की सरकार के मंत्रियों को अधिकारीगण कमीशन देते थे जिस वजह से भाजपा की नई सरकार के मंत्री भी अधिकारियों से कमीशन मांग रहे हैं। श्री यादव ने पूछा कि क्या आतिशी के पास 10 प्रतिशत कमीशन लेन-देन की पूरी जानकारी है कि अफसर परेशान होकर ट्रांसफर मांग रहे है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, यमुना सफाई पर केंद्रित होगा दिल्ली का बजट: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा सरकार का वित्त वर्ष 2025-26 का बजट महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, बेहतर बुनियादी ढांचे, प्रदूषण नियंत्रण और जलनिकास पर केंद्रित होगा। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 28 मार्च तक चलेगा। बजट 25 मार्च को पेश किया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बजट तैयार करने के लिए पेशेवरों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए हैं। उन्होंने कहा कि हितधारकों से ईमेल के जरिए 3,303 और व्हाट्सएप के जरिए 6,982 सुझाव मिले। सीएम रेखा गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को खीर समारोह के साथ शुरू होगा। उन्होंने कहा कि बजट में जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा और इसमें रोजगार सृजन के प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र के %विकसित दिल्ली% के सपने को पूरा करे।

दिल्ली सरकार ने अधिकारियों से सांसदों और विधायकों के फोन, संदेश का तुरंत जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को सांसदों और विधायकों के पत्रों, फोन कॉल और संदेश का तुरंत जवाब देने का शुक्रवार को निर्देश दिया और ऐसा न करने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

दिल्ली सरकार ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है, जब विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक दिन पहले कुछ अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का मुद्दा उठाया था।

गुप्ता ने मुख्य सचिव धर्मेंद्र को लिखे पत्र में कहा था कि उन्हें बताया गया है कि कुछ अधिकारी विधायकों से पत्र, फोन कॉल और संदेश के रूप में प्राप्त संचार को स्वीकार भी नहीं करते हैं।

दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया, ''मुख्य सचिव ने मामले को गंभीरता से लिया है।'' इसमें कहा गया है कि सरकार ने विधायकों और सांसदों के साथ व्यवहार करते समय अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल के संबंध में व्यापक निर्देश जारी किए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (जीएडी) नवीन कुमार चौधरी द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है कि निर्देशों का अक्षरशः सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, ''ऐसा कोई मौका नहीं दिया जाना चाहिए, जब विधायकों या सांसदों को ऐसी शिकायतें करने के लिए बाध्य होना पड़े। इन निर्देशों का पालन न करने पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और संबंधित अधिकारी के मूल्यांकन में यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

पुलिस ने आठ बांग्लादेशियों को गिरफ्तार कर छह को किया डीपोर्ट

-घुसपैठियों की मदद करने वाले आठ भारतीय भी दबोचे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी जिला पुलिस ने अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशियों पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जिले में अलग अलग जगह से 18 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। इनमें से पुलिस ने आठ को गिरफ्तार किया है, जबकि छह को डीपोर्ट कर दिया। इसके अलावा चार से पूछताछ की जा रही है। साथ ही इनकी मदद करने वाले आठ भारतीय आरोपितों को भी दबोचा है।

पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अवैध प्रवासियों से आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आइडी और भारतीय पासपोर्ट जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपितों के ठिकानों की तलाशी ली तो वहां से 23 वोटर कार्ड, 19 पैन कार्ड, 17 आधार कार्ड, सीपीयू, 11 जन्म प्रमाण पत्र और छह बलैंक वोटर आइडी कार्ड बरामद किए।

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ विदेशी अधिनियम सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने इन्हें शरण देने और इनके फर्जी दस्तावेज बनवाने वाले आठ भारतीय नागरिकों पर भी केस दर्ज किया है। इन भारतीय आरोपितों ने इन्हें फर्जी दस्तावेजों पर नौकरी और किराए पर मकान भी दिलवाए।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आठ बांग्लादेशी

फर्जी दस्तावेज बनवाकर दिल्ली में रहने वाले बांग्लादेशियों में मोहम्मद ज्वेल इस्लाम, मोहम्मद आलमगीर, मोहम्मद लतीफ खान, मोहम्मद नदीम शेख, मोहम्मद मिजानुर रहमान, रबीउल, मोहम्मद रेजाउल और कमरुज्जमां शामिल हैं। इनमें मोहम्मद लतीफ कूड़ा बीनने का काम करता है। वह रिश्तेदारों के माध्यम से बांग्लादेश में पैसे भेजता है।

मोहम्मद मिजानुर रहमान स्क्रैप डीलर के रूप में काम करता है। रबीउल डिफेंस कॉलोनी के एक अस्पताल में अटेंडेंट के तौर पर काम करता है। कमरुज्जमां जोमैटो डिलीवरी ब्वाय के रूप में काम करता है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड मोहम्मद मोइनुद्दीन दिल्ली में एक कंप्यूटर की दुकान चलाता था। ये आरोपित ही फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सहित प्रवासियों के अन्य दस्तावेज तैयार करता था। जबकि शाहीन नाम का आरोपित प्रवासियों को नौकरी दिलाता थ। अन्य आरोपित मनवर हुसैन और निमाई करमाकर ने बांग्लादेश में अवैध रूप से मनी पैसे भेजे।

मोहम्मद रेजाउल 2007 में आया था भारत

पुलिस जांच में सामने आया कि बांग्लादेशी ज्वेल इस्लाम और मोहम्मद आलमगीर फर्जी आधार और पैन कार्ड के साथ पिछले कई साल से दिल्ली में रह रहे थे। मोहम्मद आलमगीर ने 2007 में दिल्ली आकर फर्जी दस्तावेज बनवाकर अपने बच्चों का दाखिला भारतीय स्कूलों में भी करा लिया।

इसी तरह आरोपित मोहम्मद रेजाउल वर्ष 2000 से दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा है। उसने भारतीय पासपोर्ट भी बनवा लिया और पिछले दो साल में 22 बार भारत और बांग्लादेश की यात्रा कर चुका है। आरोपित वर्तमान में कैब ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। इसके अलावा कमरुज्जमां 2014 में फर्जी आईडी के साथ भारतीय डिलीवरी एजेंट के रूप में आया था।

मनी लॉन्ड्रिंग कर हवाला के जरिए भेजते हैं पैसा

ये लोग बांग्लादेशी में पैसा भेजने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग कर रहे थे। पहले पैसे को भारतीय बैंक खातों में जमा करते थे। फिर यूपीआइ के माध्यम से सीमा एजेंटों को ट्रांसफर कर देते थे। फिर हवाला के जरिए पैसा प्रवासियों के बांग्लादेश में रहने वाले परिवारों को दिया जाता था। आरोपित दिल्ली में शरण लेने के लिए अधिकतर अपने पुराने रिश्तेदारों के पास पहुंचते थे। फिर यहां उन्हें कम वेतन की वजह से काम भी मिल जाता था।

नौकरी सहित अन्य सुविधा देने वाले भारतीय आरोपित

अवैध प्रवासियों को नौकरी सहित अन्य सुविधा मुहैया कराने वाले आठ भारतीयों को भी दबोचा है। इनमें बांग्लादेशियों के फर्जी दस्तावेज बनाने वाला निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद मोइनुद्दीन, नौकरी दिलाने वाला मोहम्मद शाहीन, आधार कार्ड बनवाने वाला जुल्फिकार अंसारी, जावेद, फरमान खान, प्रवासियों के रिश्तेदारों को पैसा भेजने वाला मनवर हुसैन, निमाई कर्माकर और गौरंगा दत्ता शामिल है।

'कबसे मिलेंगे 2500 रुपये, क्या ये जुमला था?' रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ आप का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने महिला सम्मान योजना के क्रियान्वयन न होने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च को हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। लेकिन एक भी पैसा जमा नहीं हुआ। इसका मतलब है कि यह एक जुमला था। 2500 रुपए तो दूर, अभी तक इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरू नहीं हुआ है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। हमने %जुमलों के बैंक% का चेक दिया है, जिस पर 2500 रुपए लिखा है। शायद अब भाजपा को शर्म आएगी और वो अपना वादा पूरा करेगी। इससे पहले आतिशी ने प्रश्न किया था कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादे के अनुरूप राजधानी में महिलाओं को 'महिला समृद्धि योजना' के तहत 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता कब मिलेगी?

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि क्या भाजपा सरकार राजधानी में 18 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 48 लाख महिलाओं को 2,500 रुपये देगी? या कई तरह की शर्तें लगाकर इसकी एक प्रतिशत से भी कम संख्या को लाभ देगी। आतिशी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने 12 दिन पहले एक समिति बनाई थी, जिसने अभी तक कुछ नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि इस योजना के लिए पंजीकरण कब शुरू होंगे और लाभार्थी महिलाओं के खातों में पैसे कब आएंगे? भाजपा सरकार ने दिल्ली में गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

दिल्ली के द्वारका में रंगदारी के आरोप में गैंगस्टर की पत्नी समेत चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने द्वारका इलाके में रंगदारी के मामले में गैंगस्टर की पत्नी और एक नाबालिग समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान विकास उर्फ विक्की, रोहित उर्फ रॉकी, गीतिका उर्फ गीतू और एक नाबालिग के रूप में हुई है।

गीतिका काला- जठेड़ी गिरोह से जुड़े गैंगस्टर सचिन उर्फ भांजा की पत्नी है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, 'चार लोग झड़ौदा कलां इलाके में 10 मार्च को शिकायतकर्ता के घर पहुंचे और उसे बंदूक दिखाकर धमकाया। उन्होंने गैंगस्टर सचिन के नाम पर रुपयों की मांग की।'

अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता और उनके व्यावसायिक साझेदारों को लगातार धमकी भरे फोन आने लगे और इस संबंध में भगत सिंह नगर थाने में मामला दर्ज किया गया। सिंह ने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपियों की पहचान हुई।

उन्होंने कहा कि गीतिका को हरियाणा के झज्जर जिले के दुल्हेड़ा गांव से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद विक्की, रॉकी और एक नाबालिग को भी गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह ने कहा कि पुलिस जांच में सामने आया कि विक्की हाल में पैरोल पर जेल से बाहर आया था और वह तिहाड़ जेल में गैंगस्टर सचिन से मिला था, जहां गीतिका भी गई थी।

उन्होंने बताया कि सचिन ने विक्की को रंगदारी देना बंद करने वाले स्थानीय कारोबारियों को कथित तौर पर धमकाने का निर्देश दिया था। अधिकारी ने बताया कि योजना के अनुसार, विक्की ने एक कार का इंतजाम किया और तीन साथियों को अपने साथ लिया तथा उन्होंने सोशल मीडिया मंच के जरिये पीड़ितों को फोन किया।

अधिकारी ने बताया कि विक्की पर रोहतक और सोनीपत में हत्या के तीन मामले दर्ज हैं जबकि रोहित भी हत्या के दो मामलों में शामिल रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई कार और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में हो रहा अभूतपूर्व विकास : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बिहार दिवस के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बिहार के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार की प्रगति और विकास को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए।

वीरेंद्र सचदेवा ने दिलीप जायसवाल का स्वागत करते हुए कहा कि आज बिहार दिवस है और हम इस खास अवसर पर बिहार के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में अभूतपूर्व विकास हुआ है और बिहार की गौरव गाथा आज पूरे देश में सुनाई जाती है।

वीरेंद्र सचदेवा ने आगे कहा, ÷बिहार के लोग हर जगह हैं और वे अपनी मेहनत से समाज में योगदान दे रहे हैं। नरेंद्र मोदी की सरकार के आने के बाद बिहार में विकास की रफ्तार दोगुनी हो गई है। बिहार ज्ञान, शांति, अध्यात्म और शौर्य का प्रतीक है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर राज्य की अर्थव्यवस्था को कोई मजबूत करने का कार्य कर रहा है तो वह बिहार का कोई भाई या बहन है।'

इस अवसर पर बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनाने के लिए वीरेंद्र सचदेवा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के सभी राज्यों में कुल 76 स्थानों पर बिहार दिवस मना रही है, जहां बिहार के मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य प्रमुख नेता बिहारवासियों के साथ इस उत्सव में शामिल हो रहे हैं।

दिलीप जायसवाल ने केंद्र सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ÷एक भारत, श्रेष्ठ भारत÷ का सपना आज पूरे देश में साकार हो रहा है। साथ ही, उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे क्षेत्रवाद और भाषावाद के आधार पर देश में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर, दिलीप जायसवाल ने बिहार के विकास को लेकर और भी कई महत्वपूर्ण बातें साझा की। उन्होंने कहा कि बिहार अब लालटेन युग से बाहर निकलकर बिजली के युग में प्रवेश कर चुका है। पहले जहां बिजली के लिए 10 घंटे इंतजार करना पड़ता था, अब बिहार में 24 घंटे बिजली मिल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि बिहार में बक्सर से लेकर कटिहार तक पुलों का जाल बिछ चुका है और राज्य में तीन केंद्रीय विश्वविद्यालय भी स्थापित हो चुके हैं। बिहार आज विकसित हो चुका है और हम सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं।

धामी सरकार के तीन साल... सीएम ने गिनाई आपने तीन साल के उपलब्धियां

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अपने दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने पर राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन, सख्त धर्मांतरण रोधी कानूनों और अवैध मजारों तथा मदरसों पर कार्रवाई को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में गिनाया। राज्य सरकार के प्रदर्शन पर रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए धामी ने कहा कि जनसांख्यिकी परिवर्तन उनकी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे के समाधान के लिए अतिक्रमण हटाने और सत्यापन अभियान जैसी कार्रवाई जारी रखेगी। धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने उन मुद्दों को निपटाया है, जिन्हें पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्यह्यपूरे राज्य में अवैध मजारें, निर्माण और मदरसे एक बड़ी समस्या हैं। हम इनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं और जब तक उत्तराखंड पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जाता, तब तक कार्रवाई जारी रहेगी। हम किसी भी अवैध चीज के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। धामी ने कहा कि उनकी सरकार अगले दशक में राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए तैयारी कर रही है और उन्होंने सभी विभागों को तीन से पांच योजनाएं प्रस्तावित करने का निर्देश दिया है, जो परिवर्तनकारी हो सकती हैं। धामी ने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे चालू होने के बाद यातायात प्रबंधन एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकता है, जिससे यात्रा का समय 2.5 घंटे तक कम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान राज्य में कुछ सबसे बुरी आपदाएं आईं और हर बार उन्होंने आपदा स्थल तक पहुंचने तथा प्रभावित लोगों के बीच जाने में कोई देरी नहीं की। धामी ने 2023 में सिल्क्यारा सुरंग ढहने की घटना का उदाहरण दिया, जिसमें फंसे हुए सभी 41 मजदूरों को 17 दिन तक चले बहु-एजेंसी बचाव अभियान के बाद जीवित बचा लिया गया था। जिसमें लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया था और हाल में माणा गांव में बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) शिविर क्षेत्र में हुए हिमस्खलन का भी उदाहरण दिया, जिसमें प्रभावित 54 मजदूरों में से 46 लोगों को बचा लिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद उत्तराखंड इस साल 27 जनवरी को समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में उत्तराखंड की महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की महिलाओं को राज्य की सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जो उनके सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। धामी ने कहा कि 2023 में देहरादून में आयोजित वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में 3.55 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें से 80 हजार करोड़ रुपये के एमओयू के क्रियान्वयन पर कार्य शुरू हो चुका है। धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने से रोकने के लिए देश का सबसे सख्त नकल रोधी कानून बनाया है और भर्ती परीक्षाओं में अनुचित साधनों के इस्तेमाल में शामिल 100 से अधिक लोगों को सलाखों के पीछे डाला गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हाल ही में सोनप्रयाग से केदारनाथ और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक दो प्रमुख रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिससे तीर्थयात्रियों, खासकर बुजुर्गों के लिए यात्रा अत्यंत सुविधाजनक हो जाएगी।

डीएम-एसपी ने पीस कमेटी की बैठक में की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट पर होगी कार्रवाई

सुलतानपुर/ भव्य खबर। आगामी त्योहारों रमजान, ईद-उल-फितर और चैत नवरात्रि को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा कदम उठाया है। कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा नगर और ग्राम प्रतिनिधि, धार्मिक गुरु, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सभी समुदायों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई और सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट से बचने की सलाह दी गई। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने का निर्णय लिया है और त्योहारों के दौरान प्रमुख स्थानों पर यातायात नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में बैरिकेडिंग की जाएगी और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। नगर निगम और ग्राम पंचायतों को सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई के निर्देश दिए गए हैं और मेलों और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता के लिए विशेष दल तैनात किए जाएंगे। नागरिकों से किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई है। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और अफवाहों और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

बेलगाम डॉ. सलिल श्रीवास्तव की आय से अधिक सम्पति की यदि हुई निष्पक्ष जांच तो इनका जेल जाना तय

सुलतानपुर/ भव्य खबर। जनपद के राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव के हाथ भ्रष्टाचार में कैसा डूबा है उसको इस प्रकार समझा जा सकता है कि खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की आईजीआरएस पर शिकायत का निस्तारण स्वयं के द्वारा ही कर लिया गया। शिकायतकर्ता ने भ्रष्ट प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत किया है कि प्रिंसपल डॉ सलिल के द्वारा शासन से आए धन का दुरूपयोग किया गया है। साथ ही शासनादेश से इतर संविदा कर्मियों से आर्थिक लाभ लेकर उन्हें रखा गया। बीते 16 फरवरी को इन आरोपो में हुई शिकायत का निस्तारण भ्रष्ट प्रिंसिपल ने यह लिखते हुए स्वयं 11 मार्च को कर दिया कि महाविद्यालय में अभी तक कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गई है। बेलगाम प्राचार्य ने आपनी करतूतों और काले कारनामे पर पर्दा डालने के शिकायतकर्ता को ही कटघरे मे खड़ा करते हुए लिखा की शिकायतकर्ता एक ही शिकायत की पुनरावृति कर रहा और विभिन्न विभागो मे 80 शिकायत की जा चुकी है। इससे तो स्पष्ट है, एक राष्ट्रीय संगठन से जुड़े होने के कारण प्रिंसिपल अपनी करतूतो से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा लिख गया हैं। वहीं शिकायतकर्ता की माने तो प्रिंसिपल ने तथ्य विहीन आख्या दी, उसने मांग किया है शासन स्तर से प्रिंसिपल की जांच हो और मैं गलत रहूं तो मुझे सजा दी जाए। उसने ये भी कहा है जिसके स्वयं के विरुद्ध शिकायत है वो किस अधिकार से जांच आख्या दे सकता है। वही विश्वस्त सूत्रों की माने तो भ्रष्ट प्रिंसिपल ने राजकीय मेडिकल कॉलेज मे पद संभालने के बाद से करोड़ों का वारा न्यारा कर अकूत सम्पत्ति अर्जित किया है। अगर शासन स्तर से उनकी आय से अधिक सम्पति की निष्पक्ष जांच होगी तो जिले और जिले के बाहर साल सवा साल मे करोड़ों रुपए की संपत्ति कहा से और कैसे अर्जित हुई है, इसका खुलासा भी शासन स्तर पर हो जाएगा। वहीं सूत्र ये भी बताते हैं कि प्रिंसिपल के इस भ्रष्टाचार की शिकायत कई सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने एक माननीय से किया है, जिसपर माननीय ने यूपी सीएम योगी के समक्ष ये मुद्दा उठाने की बात कही। अगर ऐसा हुआ तो निश्चित प्रिंसिपल, उनके स्वाजातीय लिपिक व उनकी उगाही मे हिस्सेदार दो स्वाजातीय पत्तलकारों पर बड़ी कार्रवाई होना तय है।

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने यूपी में लिखी सफलता की नई कहानी

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । डबल इंजन की भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश के गांव-गांव में शुद्ध पेयजल पहुंचा दिया है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हर घर नल से जल के जरिए ग्रामीणों के जीवन में खुशियां आ गई हैं। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश सर्वाधिक नल कनेक्शन देने वाला पहला राज्य बना है। प्रदेश के 60354 गांवों का रोड रेस्टोरेशन का कार्य शत प्रतिशत पूरा हो चुका है। अब तक उत्तर प्रदेश के 24050 गांव हर घर जल से प्रमाणित हो चुके हैं। प्रदेश में 5,07479 किलो मीटर की वाटर पाइप लाइन भी बिछा ली गई है।

2.36 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को दिए जा चुके कनेक्शन

योगी सरकार के नेतृत्व में अब तक 2,36,99,417 करोड़ से भी अधिक ग्रामीण घरों में फंक्शनल हाउस होल्ड कनेक्शन दिए जा चुके हैं। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश सबसे अधिक नल कनेक्शन देने वाला भारत का पहला राज्य बना। 15 अगस्त 2019 से पहले राज्य में 1.97% नल कनेक्शन थे, जो अब बढ़कर 88.61% हो चुका है।

80 फीसदी से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की 80% परियोजनाएं सोलर पर आधारित हैं। 33157 परियोजनाओं में सोलर का उपयोग हो रहा है। इससे प्रतिदिन 900 मेगावाट का उत्पादन हो रहा है। सोलर तकनीक से पानी निकालने के लिए बिजली का खर्च 50 प्रतिशत से भी कम हो गया है। प्रतिवर्ष करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाईऑक्साइड का एमिशन भी कम होगा। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 28526 सोलर प्लांट लगाए जा चुके हैं। पूरे प्रदेश में 507479 किलो मीटर की वाटर पाइप लाइन बिछा ली गई है। प्रदेश में कुल 37462 पम्प हाउसों का निर्माण किया जा चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 38456 ट्यूबवेलों की बोरिंग की जा चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में ही जल जीवन मिशन के द्वारा 16472 ओवरहेड टैंक लगाए जा चुके हैं, जबकि 22803 निमार्णाधीन हैं।

99 फीसदी से अधिक स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों को दी गई वाटर टैप सप्लाई

उत्तर प्रदेश के 99% से अधिक स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों को टैप वाटर सप्लाई मिल चुकी है। अब तक 4,80,205 से अधिक महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। यू.पी. के 64 जिलों में 10 हजार स्कूली बच्चों के साथ जल ज्ञान यात्रा भी की गयी है।

गांवों में ही मिल रहा रोजगार

योगी सरकार ने रोजगार के लिए ग्रामीण को प्रशिक्षण भी दिया है। अब तक 1,16,037 ग्रामीण प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन 1,16,667, मोटर मैकेनिक 1,15,505, फिटर के लिए 1,16,078 ग्रामीण, राज मिस्त्री के लिए 1,75,880 ग्रामीण तथा 1,16,007 ग्रामीणों को पम्प ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण दिया गया है।

बुंदेलखंड के सात जिलों में दिए गए 14 लाख से अधिक एफएचटीसी

बुंदेलखंड के 07 जिलों में 1418861 से अधिक फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) दिए गए। महोबा में 139784, ललितपुर में 205866, झांसी में 249106, चित्रकूट में 163698, हमीरपुर में 185465, जालौन में 206512, बांदा में यह आंकड़ा 268430 रहा। बेतवा, यमुना, सोन नदियां बुंदेलखंड और विंध्य के 09 जिलों के लिए बनी जल स्रोत। बुंदेलखंड और विंध्य में 35 बांधों के पानी का उपयोग हो रहा है। विंध्य क्षेत्र के मीरजापुर में 349332 और सोनभद्र में 267822 से अधिक परिवारों को फंक्शनल हाउस होल्ड कनेक्शन हो चुका है। प्रदेश के 60354 गांवों का रोड रेस्टोरेशन का कार्य शत प्रतिशत पूरा हो चुका है।

उत्तर प्रदेश के 24050 गांव हर घर जल से प्रमाणित

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन और इस मिशन से जुड़े कार्यों को करने के बाद सक्रिय रूप से 21,901 से ज्यादा ग्राम प्रधानों से जल जीवन मिशन का फीडबैक लिया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के 24050 गांव हर घर जल से प्रमाणित हो चुके हैं।

सफलता की कहानी

यूपी के 14,21,75,040 ग्रामीणों को मिला शुद्ध पेयजल का सीधा लाभ

यूपी में 2019 से पहले नल कनेक्शन का औसत 1.97% प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 88.61% हो चुका है

नल कनेक्शन देने के मामले में यूपी देश में नम्बर 1

यूपी में प्रत्येक दिन लगभग 40 हजार नए ग्रामीणों को नल कनेक्शन 7 शहरों (झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, महोबा) में जल जीवन मिशन की योजनाओं पर चल रहा काम

बुंदेलखंड में 42 परियोजनाएं संचालित। बुंदेलखंड के जिलों में बेतवा, यमुना और सोन नदियों का जल स्त्रोत के रूप में हो रहा उपयोग

उत्तर प्रदेश मे जल जीवन मिशन की उपलब्धियां

जल जीवन मिशन के अंतर्गत महाकुम्भ में नमामि गंगे ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने स्वच्छ सुजल गांव बसाया गया। महाकुंभ जैसे विश्वस्तरीय प्लेटफार्म के जरिए विभाग ने लाखों लोगों को जल संरक्षण, जल संचयन और स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूक किया। 30 लाख से अधिक लोग गांव में पहुंचे। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के जरिए बदलाव को लोगों ने महसूस किया।

5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार वितरण समारोह (2023) में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन को दूसरा स्थान प्रदान किया गया।

नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 में जल जीवन मिशन, उत्तर प्रदेश को मिला बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड।

जल जीवन मिशन के तहत सबसे अधिक नल कनेक्शन देने वाला भारत का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश।

संक्षिप्त डायरी

सपा के तीसरी बार जिलाध्यक्ष बने पूर्व एमएलसी राम अवध यादव

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा पूर्व एमएलसी राम अवध यादव को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। कुशीनगर के सपा जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी के निधन के बाद श्री यादव को पार्टी ने तीसरी बार जिलाध्यक्ष बनाया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पूर्व एमएलसी श्री यादव को समाजवादी पार्टी जनपद कुशीनगर के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। श्री यादव के सपा पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह, पूर्व सांसद बालेश्वर यादव, पूर्व विधायक पूर्णवासी देहाती, डॉ पीके राय, राजेंद्र सिंह मुन्ना, कुशीनगर विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी रहे राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरंदर प्रताप यादव, बिक्रमा यादव, शाहीद लारी, राजेश पांडेय, उग्रसेन यादव, चंद्रजीत यादव, इलियास अंसारी, डॉ परशुराम पटेल, वाजिद अली, क्लामुद्दीन अंसारी, एडवोकेट उदयभान यादव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव, आशिक अली, हीरालाल यादव, सनौवर अंसारी, राजन शुक्ला सहित भारी संख्या में पार्टीजनों ने बधाई दी है।

सपा जिलाध्यक्ष राम अवध यादव

30मार्च तक होगा दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। नेशनल हैण्डी क्राफ्ट डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के अन्तर्गगत दस दिवसीय हस्त शिल्प प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का आयोजन कुशीनगर क्रोशिया हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर द्वारा शुक्ला मैरिज हाल पडरौना कुशीनगर में 21 मार्च से30 मार्च तक होगा । इसमें कुल 20 स्टाल के द्वारा प्रदर्शनी आयोजित किया जायेगा। जिसमे प्रवेश निःशुल्क है। जिसकी सूचना निदेशक देशदीपक दूबे ने दी है।

जाम की समस्या खत्म करने सड़कों पर निकलें अफसर

गोंडा। शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कमर कस ली है। नगर कोतवाली में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और अपर जिला अधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी सवारी वाहनों के पास परमिट और जरूरी दस्तावेज होने चाहिए। इनमें रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस और बीमा शामिल हैं। ई-रिक्शा चालकों के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं। उनके रूट तय करने के लिए चालकों के साथ अलग से मीटिंग होगी। सभी चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाएगा। एक सर्वे के जरिए शहर में जाम वाले प्रमुख स्थानों की पहचान की जाएगी। इसके बाद तय किया जाएगा कि ई-रिक्शा किस रास्ते पर चल सकते हैं और किस पर नहीं। ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों की जानकारी दी जाएगी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालान और वाहन जब्त करने की कार्रवाई होगी।गुरुनानक चौक, गुड्डू मल्ल चौराहा और जिला अस्पताल के आसपास ठेला लगाने वालों को भी निर्धारित जगह पर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नियम तोड़ने पर उन्हें नोटिस दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुरुनानक चौक से जिला अस्पताल तक कोई भी एम्बुलेंस किसी भी दशा जाम में नही फसना चाहिए। सभी चिह्नित प्रमुख चौराहों पर 50 मीटर से पहले किसी भी सवारी वाहन को नहीं खड़े होने दिया जाएगा। बस और टैक्सी स्टैण्ड के संचालन में किसी प्रकार की अवैध वसूली की शिकायत न प्राप्त हो यदि इस प्रकार की कोई शिकायत आती है तो जांच करा कर उनके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएंगी। मीटिंग के उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा गुरुनानक चौक से महिला अस्पताल तक स्थलीय निरीक्षण किया गया और सभी स्थानीय दुकानदारों व स्थानीय वेंडर्स से अतिक्रमण हटाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के संबंध में वार्ता की गई।

पीएम मित्र पार्क के लिए 3800 करोड़ के प्रस्ताव आए' लखनऊ में इन्वेस्टर्स ने मेगा टेक्सटाइल-अपैरल पार्क की बताई प्लानिंग

लखनऊ। के ताज होटल में इन्वेस्टर्स मीट आयोजित की गई। यह मीट पीएम मित्र पार्क योजना के तहत यूपी में बनने जा रहे मेगा टेक्सटाइल और अपैरल पार्क को लेकर हुई। यह पार्क लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1000 एकड़ में बनाया जाएगा। मीट में रकार का लुधियाना की कंपनी रमन जैन-आरआर जैन इंडस्ट्रीज से 500 करोड़ का MOU भी हुआ। मीट में पहुंचे देशभर के इन्वेस्टर्स ने उत्तर प्रदेश में टेक्सटाइल को लेकर अपनी प्लानिंग बताई। उन्होंने यह भी बताया कि यूपी में बन रहे मेगा टेक्सटाइल और अपैरल पार्क में किस तरह से कार्य किया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि हमने यूपी में इन्वेस्टर्स के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया है। उत्तर प्रदेश आ रहे सभी : योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- कई राज्यों के लोग उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता बनकर आ रहे हैं। उत्तराखंड, बिहार, झारखंड के अलावा नेपाल के लोग भी उत्तर प्रदेश के उपभोक्ता हैं। देश में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। सीएम ने कहा कि यूपी को मिले पीएम मित्र पार्क के लिए निवेशकों ने 3800 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पहले ही भेज दिए। इसके लिए 80 निवेशकों ने निवेश किया। उन्हें 210 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया। मीट में सीएम योगी के साथ मुख्य सचिव मनोज सिंह, टेक्सटाइल की बड़ी इंडस्ट्रीज के मालिक मौजूद रहे। योगी बोले- MOU की मॉनिटरिंग खुद करता हूं

योगी ने कहा- 33 सेक्टोरल पॉलिसी वाला यूपी देश का पहला राज्य है। निवेश मित्र के माध्यम से 500 से ज्यादा क्लीयरेंस दिए गए। टडव की मॉनिटरिंग के लिए निवेश सारथी है। मैं खुद मॉनिटरिंग करता हूं कि टडव के बाद क्या समस्या आ रही है? उसे दूर करने पर मंथन करता हूं। सीएम योगी ने कहा- प्रदेश में आठ वर्ष पहले का समय छोड़ दें तो अब सकारात्मक माहौल है। तब काला अध्याय था। उसे हटाकर हमने सकारात्मक माहौल बनाया। अब कानून व्यवस्था अच्छी है और रोड कनेक्टिविटी भी। वस्त्र उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश का तीसरा प्रदेश : योगी

योगी ने कहा- आज उत्तर प्रदेश वस्त्र उत्पादन मामले में देश में तीसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश पहले ही इस क्षेत्र में प्रोग्रेसिव है। उत्तर प्रदेश के अंदर 80 निवेशकों ने निवेश किया। उन्हें 210 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया। सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश के उस काले अध्याय को पीछे छोड़ देना चाहिए। एक समय था जब यहां निवेशकों के सामने बैरियर खड़े कर दिए गए थे। आज उत्तर प्रदेश उस काले अध्याय से ऊपर उठ गया है। सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश में हमने कनेक्टिविटी के लिए बहुत काम किया और कर रहे हैं। यहां कानून व्यवस्था की भी कमी नहीं है। इस कारण इन्वेस्टर्स यहां आने के लिए आश्वस्त रहें। सीएम योगी ने कहा- देश में सिर्फ 7 पीएम मित्र पार्क हैं। इनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उत्तर प्रदेश टैक्सटाइल के बेहतरीन हब के रूप में स्थापित हो सकता है। सीएम योगी ने कहा- उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, झारखंड, नेपाल के लोग उत्तर प्रदेश आते हैं। आज के समय में भारत में सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार उत्तर प्रदेश है। MSME मंत्री राकेश सचान ने कहा- पर्यटन के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश खूब आगे बढ़ रहा है। इतना भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन हुआ। आज श्रद्धालु प्रयागराज आ रहे हैं। काशी आ रहे हैं.. अयोध्या आ रहे हैं.. और अब मथुरा की भी बारी है। वहां भी श्रद्धालु आएंगे। यह सब सरकार की नीतियों के कारण ही हो रहा है। राकेश सचान ने कहा- उत्तर प्रदेश की जो पुरानी स्थिति थी वह हमें याद है। मैं कानपुर का रहने वाला हूं। वहां पर पहले टेक्सटाइल का हफ्ता मैनचेस्टर कानपुर में फेमस था जो पूरे देश में फेमस था। जेके ग्रुप में 1930 से 1970 तक काफी प्रयास किया। आज मैं प्रधानमंत्री जी का शुक्रगुजार हूं। उत्तर प्रदेश को उन्होंने पीएम मित्र पार्क दिया। यह ऐसी जगह पर स्थित है कि लखनऊ की भी दूरी ज्यादा नहीं है। हरदोई और उन्नाव के बीच में है और कानपुर से भी 100 किलोमीटर है। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रोत्साहक नीतियों से हमारे उद्योग को बढ़ावा मिला है। अब तक हमें एक करोड़ 81 लाख के सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है और 70 करोड़ के सब्सिडी भी मिलने वाली है। इस राशि को हमने अपने उद्योग के विकास के लिए प्रयोग किया है।

पंजाब में हिंदी बोलने पर बिहार के छात्रों पर हमला

स्टूडेंट बोला- हॉस्टल में घुसकर होती है मारपीट, DSP से यूनिवर्सिटी ने कहा- हमारे बीच का मामला

दरभंगा। पंजाब की गुरु काशी यूनिवर्सिटी में बिहार के छात्रों के साथ मारपीट हुई है। एक स्टूडेंट्स ने 21 मार्च को पर वीडियो शेयर कर मदद की गुहार लगाई है। छात्र का नाम अली अंजार है। वो दरभंगा जिले के कमतौल प्रखंड के बहुआरा गांव का रहने वाला है। गुरु काशी यूनिवर्सिटी से अली बीटेक कर रहा है। वीडियो में अली अंजार कह रहा है- 'यहां के लोकल छात्र और लोग हम पर हमले कर रहे हैं। तलवार लेकर घुस जाते हैं। सिर फाड़ दिया है कई लोगों का। गार्ड भी नहीं सुनता है।' 'पुलिस और प्रशासन हमारी नहीं सुन रहा है। बिहार के ज्यादातर स्टूडेंट्स से मारपीट हुई है। पूरा दिन हॉस्टल के अंदर रहते हैं। कपड़े और हिंदी भाषा सुनते ही मारने

लगते हैं। हमारी यहां कोई सुरक्षा नहीं है।' अली अंजार ने ये वीडियो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को टैग कर सुरक्षा की मांग की है। अली अंजार के भाई मोहम्मद सोहराम ने बताया- 'मेरा भाई गुरु काशी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करता है। बता चला है कि वहां उन्हें पीटा जा रहा है। भाई बहुत डरा है। कल से घर में खाना तक नहीं बना है। हम परेशान हैं। बिहार सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। कल की ही बात है मेरे भाई को हॉस्टल में घुसकर मारा है। 2 लोगों का सिर भी फोड़ गया है। भाई बता रहा था कि 100-200 लोग कैंपस में घुस जाते हैं और मारपीट

करते हैं।' अली अंजार की चाची ने कहा- 'पिछले एक सप्ताह से लगातार मारपीट की घटनाएं हो रही हैं, जिससे परिवार के लोग बेहद परेशान हैं।' उन्होंने सरकार से जल्द हस्तक्षेप कर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।' तलवंडी DSP राजेश सनेही ने बताया- '17, 18 और 19 मार्च को गुरु काशी यूनिवर्सिटी, तलवंडी साबो में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए छात्रों ने विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए धन एकत्र किया था। बिहार के छात्रों ने भी अपने सांस्कृतिक प्रदर्शन को प्रस्तुत करने के लिए योगदान दिया था।' 'इसी दौरान इकट्ठे किए गए धन को लेकर दो समूहों के बीच विवाद हो गया। इस घटना की सूचना मिलते ही यूनिवर्सिटी प्रशासन ने थाना तलवंडी साबो को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।''इसके बाद, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस को एक लिखित बयान दिया, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते और इसे आंतरिक अनुशासनात्मक प्रक्रिया के माध्यम से हल करेंगे। आवश्यक निर्देश देने के बाद, सभी छात्रों को रिहा कर दिया गया।'

किशनगंज में बाइक ने पानीपुरी बेचने वाले को मारी टक्कर

किशनगंज। शहर के रोल बाग वार्ड नंबर 30 में बीएसएनएल ऑफिस के सामने एक दुर्घटना हुई। एक तेज रफ्तार बाइक ने पानीपुरी विक्रेता को टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार बाइक पानीपुरी वाले से टकराया प्रत्यक्षदर्शी विशाल, विक्रम के अनुसार, बाइक लगभग 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थी। बाइक चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया और पानीपुरी बेचने वाले से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पानीपुरी विक्रेता का ठेला चकनाचूर हो गया और

सारा सामान बर्बाद हो गया। घायल की हालत नाजुक, इलाज जारी हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत सदर थाना और एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल व्यक्ति को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल, घायल पानीपुरी बेचने वाले व्यक्ति की स्थिति नाजुक बनी हुई है

"नीतीश कुमार बिहार की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक": राजीव रंजन

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 करोड़ बिहारवासियों की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। प्रसाद ने राष्ट्रीय जनता दल पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार पर सवाल उठाने से पहले राजद को पिता, माता और बेटे की राष्ट्रभक्ति का जवाब देना चाहिए। राजीव रंजन ने शनिवार को कहा कि जब साल 1997 में लालू प्रसाद यादव ने उल्टा तिरंगा झंडा फहरा दिया था। वहीं साल 2002 में मार्च पास्ट के दौरान जब राष्ट्र गान बज रहा था तो लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी

अपनी सीट से खड़े तक नहीं हुए थे। साल 2020 की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की राष्ट्रभक्ति कहां चली गई थी जब वो तिरंगा फहराने वाले पोस्ट पर ही चढ़ गए थे। प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं और राज्य की 14 करोड़ जनता उनके साथ खड़ी है। राजीव प्रसाद ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि बिहार में न्याय के साथ विकास का नारा देने वाले और उसे सफलता पूर्वक लागू करने वाले नीतीश कुमार असल में महानायक हैं। उन्होंने कहा कि बिहार जैसा राज्य जो कभी गुमनामी के अंधेरों में खोया हुआ था, उसे नीतीश कुमार ने विकास के शिखर पर पहुंचाया है। नीतीश कुमार के 50 वर्षों के दागरहित राजनीतिक जीवन का मूल्यांकन राजद अपने तुच्छ आरोप लगाकर नहीं कर सकता है।

मामा बोला- मेरी पत्नी ने भांजा को करवाया है किडनैप

नालंदा। में सुबह-सुबह स्कूल जा रहे बच्चे का अपहरण कर लेने का मामला सामने आया है। घटना लहेरी थाना क्षेत्र के चुन्नी लाल मॉल के पास हुई है। अपहत छात्र मुरारपुर निवासी विवेकानंद प्रसाद का (10) वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार है। अभिषेक की बहन लक्ष्मी कुमारी ने बताया कि दोनों स्कूल जा रहे थे। तभी चुन्नीलाल मॉल के पास बोलेरो पर सवार एक व्यक्ति ने भाई से कहा कि मेरा पैर टूटा हुआ है। रुमाल जो सड़क पर गिरा हुआ है उसे उठा दो। जिसके बाद भाई ने मना कर दिया तब बोलेरो सवार

व्यक्ति उसे जबरन उठाकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। जब उसे पकड़ने के लिए दूसरा व्यक्ति आया तो वह दांती काटकर वहां से भाग गई। हालांकि बच्चे को लेकर भागने के दौरान उसके मुढारी के पास सड़क जाम हुआ। इसी बीच बच्चा मौका पाकर भाग निकला और अपनी नानी के घर पहुंच गया। इस मामले में बच्चे के मामा ने अपनी पत्नी पर अपने भांजा का अपहरण करवाने का आरोप लगाया है।बच्चे के मामा मुन्ना कुमार ने बताया किइस मामले में एसडीपीओ सदर नुरुल हक ने बताया कि लहेरी थाना क्षेत्र में मघड़ा मार्केट के सामने से एक 10 वर्षीय बच्चे को चार पहिया वाहन से उठा ले जाने की सूचना पर तत्काल कार्यवाही प्रारंभ की गई। जिस क्रम में उक्त बच्चा अपने ननिहाल में होने की सूचना प्राप्त हुई। जहां से उसे बरामद किया गया है और पूछताछ की जा रही है। परिजनों से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होने और बच्चे से पूछताछ के बाद ही इस घटनाक्रम और घटना की प्रकृति पर कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

सीवान। के बड़हरिया स्टैंड के पास बैग की दुकान चलाने वाले व्यवसायी की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान गोपालगंज जिले के थावे थाना क्षेत्र के खानपुर अजमत गांव निवासी संजय साह के रूप में हुई है। उनका शव शुक्रवार की देर रात बाइपास रोड पर खून से लथपथ अवस्था में मिला था और प्रथम दृष्टया गोली मारकर हत्या की बात सामने आ रही है। राहगीर ने फोन कर दी सूचना मृतक के भाई ने बताया कि संजय शुक्रवार की सुबह 11 बजे घर से निकला था। दोपहर तक उनसे बात हुई, लेकिन शाम को फोन नहीं उठाने पर परिवार चिंतित हो गया। बाद में एक राहगीर के फोन से घटना की जानकारी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इलाके में इस वारदात से दहशत का माहौल है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। दोषियों पर कार्रवाई की मांग परिजनों ने प्रशासन से जल्द से जल्द दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

छपरा SSP ने चलाया वाहन जांच अभियान

छपरा। में अपराध और शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी कुमार आशिष ने शुक्रवार की देर रात सड़कों पर मोर्चा संभाला। दो घंटे तक चले इस विशेष अभियान में नगरपालिका चौक, थाना चौक और पंकज सिनेमा रोड पर वाहनों की जांच की गई। एसएसपी के नेतृत्व में पुलिस दल ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की। टीम में दर्जनों महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। पुलिस ने वाहनों के कागजात, हेलमेट और सीट बेल्ट की जांच की। जांच के दौरान एक शराब तस्कर पकड़ा गया। वह एसएसपी के सामने से गुजर रहा था। संदेह होने पर जांच में उसके कमर से शराब बरामद हुई। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। सड़कों पर अचानक पुलिस की भारी

मौजूदगी से राहगीरों में हड़कंप मच गया। बिना हेलमेट और कागजात वाले वाहन चालकों को फटकार लगाई गई। कई वाहनों का चालान काटा गया। पुलिस ने वाहनों की डिग्गी और अंदर की गहन जांच की। ट्रैफिक नियमों के पालन करने की अपील की एसएसपी कुमार आशिष ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की।

आरजेडी के पोस्टर में नीतीश कुमार को बताया खलनायक

पटना। में पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास के बाहर सीएम नीतीश कुमार को लेकर नया पोस्टर लगाया गया है, इस पर हंगामा शुरू हो गया हैं। आरजेडी के जहानाबाद के पूर्व पार्षद संजू कोहली ने पोस्टर लगाते हुए नीतीश कुमार को खलनायक बताया है। इस पोस्टर में नीतीश कुमार का कार्टून बनाकर दिखाया गया है। साथ ही लिखा गया है कि नायक नहीं, जी हां मैं हूं खलनायक। हां, मैने किया है महिलाओं का अपमान। गांधी जी का किया है अपमान। अब हो गया है राष्ट्रगान का अपमान। जी हां, मैं हूं खलनायक।वहीं, पोस्टर को लेकर भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'नीतीश कुमार बिहार के नायक हैं। खलनायक आपका

पूरा परिवार बिहार के लिए रहा है। इन्होंने सिर्फ और सिर्फ बिहार को लूटने का काम किया और बाद बिहार के सम्मान की करते हैं। शर्म नहीं आती है इनको? शिल्पी राज कांड इन्हें याद नहीं है? चंपा विश्वास कांड इन्हें याद नहीं? यह सब उनके संरक्षण में हो रहा था।' 'तेजस्वी यादव माता-पिता के संरक्षण में बिहार में अपहरण का उद्योग फल फूल रहा था। महिलाओं की इज्जत लूटी जा रही थी। नीतीश कुमार ने जो काम किया वह पूरे देश में मिसाल है। आपने हमेशा महिलाओं के अपमान के लिए महिला आरक्षण का विरोध किया और आप महिला सम्मान का बात करते हैं।'लैंड फॉर जॉब के नायक हैं लालू प्रसाद जदयू के प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा कि 'आरजेडी को इस बात का पोस्टर लगाना चाहिए कि लालू परिवारवाद के नायक हैं, लालू प्रसाद भ्रष्टाचार के नायक है, लालू प्रसाद लैंड फॉर जॉब के नायक हैं । लालू प्रसाद जिस तरह से बिहार में जंगल राज का स्थापना किया, उसके वह नायक है।' 'कौन नहीं जानता है कि लालू प्रसाद किस बात के प्रतीक और नायक हैं। इस वजह से बिहार की जनता 20 वर्षों से सत्ता से बेदखल किए हुए है। आने वाले दिनों में भी बिहार की जनता उन्हें सत्ता से बाहर रखेगी। बिहार के असली नायक नीतीश कुमार को सत्ता में लाएगी बिहार की जनता जब भली-भांति जानते हैं।' पिछले दिनों राष्ट्रगान के अपमान पर सदन हुआ था ठप सेपक टकरा वर्ल्ड कप के उदघाटन समारोह में सीएम नीतीश कुमार पर राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप लग रहा है । इस मामले को लेकर पिछले दिनों विधान सभा और विधान परिषद दोनों में हंगामा हुआ था। विपक्ष सदन के बाहर और भीतर नीतीश कुमार से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग कर रही है।

तनिष्क लूटकांड में शामिल दो लाइनरों की गिरफ्तारी

आरा। टाउन थाना क्षेत्र के शीश महल चौक स्थित तनिष्क आभूषण शोरूम में दस दिन पहले हुए चर्चित लूटकांड में पुलिस ने दो लाइनरों को गिरफ्तार किया है। भोजपुर एसपी राज ने इस बारे में जानकारी दी। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान कृष्णागढ़ थाना के उदयभानपुर गांव निवासी विशाल सिंह और सिन्हा थाना के परशुरामपुर गांव निवासी सूरज सिंह के रूप में हुई है। गिरफ्तार विशाल सिंह ने लूटकांड में लाइनर की भूमिका निभाई थी, जबकि सूरज सिंह ने अपराधियों को अपने घर में दो दिनों तक पनाह दी थी। उसने लुटेरों को चिकन-चावल खिलाकर वारदात के लिए तैयार किया और

रेकी भी कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि विशाल सिंह के खिलाफ भोजपुर और बंगाल में हत्या एवं बम ब्लास्ट सहित कुल नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं।
तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने विशाल सिंह को आरा से और सूरज सिंह को पटना से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कांड में प्रयुक्त अपाचे बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है।
इस लूटकांड में पहले ही तीन अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 14 मार्च को पुलिस ने वैशाली जिले के बिदुपुर थाना के

मंझौली गांव निवासी गौतम कुमार को गिरफ्तार किया था, जिसके खिलाफ लूटपाट और आर्म्स एक्ट के दो मामले पहले से दर्ज थे। गौतम के पास से लूट में इस्तेमाल आर्टिका कार और मोबाइल फोन जब्त किया गया था। घटना के दिन पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए सारण जिले के अपराधी विशाल गुप्ता और कुणाल की निशानदेही पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 29 अप्रैल 2016 को रंगदारी नहीं देने पर शिवगंज स्थित नागरमल मॉल में बम फेंका गया था, जिसमें सुरक्षा गार्ड समेत कई लोग घायल हुए थे। इस मामले में मास्टरमाइंड आरा जेल में बंद लंबू शर्मा था। उसी दिन गीधा-सकड्डी कोल्ड स्टोरेज पर भी बम फेंका गया था, जिसके बाद विशाल सिंह समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था।
टाउन थाना अध्यक्ष देवराज राय के मुताबिक, 2023 में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के पंडुरा थाना क्षेत्र में एक स्कॉर्पियो चालक की हत्या कर गाड़ी लूट ली गई थी। इस मामले में विशाल सिंह और सूरज सिंह दोनों जेल गए थे। सूरज को पहले ही जमानत मिल गई थी, जबकि विशाल फरवरी 2025 में जमानत पर बाहर आया था।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस टीम पर हमला मामले में 8 गिरफ्तार

भागलपुर। के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के मिजार्पुर स्थित रेफरल अस्पताल गेट के पास पुलिस टीम पर हमले के मामले में पुलिस ने अब तक कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। विधि व्यवस्था डीएसपी चंद्रभूषण ने बताया कि एसएसपी के निदेर्शानुसार उनके नेतृत्व में सुलतानगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर पुलिस पर हमला करने के मामले में कार्रवाई की गई। इससे पहले इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में रामचंद्र चौधरी के पुत्र संतोष कुमार, राजेंद्र चौधरी के पुत्र विक्रम कुमार, अशोक चौधरी के पुत्र राजाराम चौधरी, गणेश चौधरी के पुत्र आदित्य राज, राजेंद्र चौधरी के पुत्र संजीव कुमार, छोटी चौधरी के पुत्र गणेश चौधरी, महेंद्र चौधरी के पुत्र रंजीत कुमार और बुद्धदेव चौधरी के पुत्र बिजल चौधरी शामिल हैं। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।सुलतानगंज पुलिस को सूचना मिली थी कि मिजार्पुर स्थित रेफरल अस्पताल गेट के पास अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। इस पर थाना पुलिस की एंट्री लेकर टास्क फोर्स प्रभारी महानंद झा के नेतृत्व में टीम छापेमारी करने पहुंची। पुलिस ने एक महिला के घर से एक लीटर अवैध शराब बरामद की और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन घरवालों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई और स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस घटना में पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और एक महिला घायल हो गई। महिला के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया था। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

भारी मात्रा में पिस्टल के साथ हथियार तस्कर गिरफ्तार

बेगूसराय। में साहेबपुर कमाल थाना की पुलिस और जिला आसूचना इकाई की टीम ने गुप्त सूचना पर NH-31 पर रघुनाथपुर में स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप से एक हथियार तस्कर को बड़ी संख्या में अर्धनिर्मित पिस्टल सहित अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया है।एसपी मनीष ने बताया कि जिला आसूचना इकाई) के माध्यम से साहेबपुरकमाल थाना को सूचना मिला की खगड़िया जिला के जंगली मंडल टोला निवासी एक हथियार तस्कर अपने साथ बड़ी मात्रा में हथियार लेकर बाइक से बेगूसराय की तरफ जाने वाला है।सूचना मिलते ही साहेबपुर कमाल थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार की टीम एवं उक्त ने NH-31 पर रेलवे ओवरब्रिज के समीप वाहन चेकिंग लगाया। थोड़ी ही देर बाद ही अपाची बाइक पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति अचानक पुलिस चेकिंग को देखकर गाडी को रोका एवं तेजी से घुमाकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे त्वरित कार्रवाई में पुलिस टीम के द्वारा खदेड़ कर बाइक के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि खगड़िया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित जंगली मंडल टोला करारी निवासी सीताराम मंडल का बेटा मणिकांत कुमार है। उसके बाइक की डिक्की से 15 अर्धनिर्मित पिस्टल, 2 गोली, हथियार बनाने के लिए 2 लोहे का रेती, 1 लोहे का हथौड़ी, हथियार पॉलिश करने वाला 1 इलेक्ट्रिक मशीन बरामद किया गया।

समस्तीपुर में युवाओं को इंटर्नशिप करने का अवसर

समस्तीपुर। जिला नियोजनालय विभाग में विभिन्न कंपनियों के साथ मिलकर युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रहा है, जिससे उन्हें व्यावसायिक अनुभव मिलेगा और भविष्य में नौकरी के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। जिसमें आईटीआई, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा धारक हैं या फिर बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीटेक, बी फार्मा जैसी डिग्रियां प्राप्त कर चुके छात्रों को धानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत करियर को नई दिशा मिल सकता है। इस योजना के तहत जिले की प्रमुख कंपनियों में सुधा डेयरी सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां भी युवाओं को इंटर्नशिप के लिए मौका दे रही हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।जिला नियोजन पदाधिकारी सुमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना कुल 12 महीने की होगी, जिसमें चयनित युवाओं को सरकार द्वारा प्रतिमाह 5000 की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, यात्रा खर्च के लिए 6000 का आकस्मिक भत्ता भी दिया जाएगा। इंटर्नशिप के दौरान कंपनियों द्वारा युवाओं को उनके कार्यस्थल तक आने-जाने के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, प्रत्येक इंटर्न का बीमा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत किया जाएगा।इस योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.pminternship.mcagov.inपर आवेदन कर सकते हैं। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करना है। समस्तीपुर जिले में पहले चरण में 85 युवाओं का चयन किया गया है। आगे चलकर कंपनियों की मांग के अनुसार और भी युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर दिए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को उद्योग, व्यवसाय और सेवा क्षेत्रों में आवश्यक कौशल और कार्य अनुभव देना है, जिससे उन्हें भविष्य में बेहतर रोजगार मिल सके।

पीड़िता बोली- दुष्कर्म का विरोध करने पर झांसा और धमकी

गया। में एक महिला ने पंचायत के मुखिया पर दुष्कर्म करने और उसका विरोध करने पर परिजनों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पूरे मामले को लेकर पीड़िता ने शुक्रवार को स्थानीय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। घटना बोधगया प्रखंड के एक पंचायत का है।जानकारी के अनुसार, मुखिया ने खेत में पटवन करने गई महिला के साथ जबरदस्ती खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। जिसका विरोध करने पर महिला को धमकी भी दी। हालांकि पीड़िता ने जब घटना की जानकारी परिजनों को दी तो मुखिया ने पीड़िता के पूरे परिवार को सरकारी आवास योजना का लाभ देने का झांसा दिया। मुखिया के आश्वासन देने के बाद भी जब परिजनों ने विरोध किया तो सभी को जान मारने की धमकी दी। वहीं, गांव में पंचायती की बैठक के लिए बुलाने गए परिजनों के साथ मारपीट भी की। न्याय की गुहार लगा रही महिला का आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुखिया को गिरफ्तार किया है।पीड़ित महिला ने बताया कि मेरे साथ हुई घटना को मेरी गोतनी और घटनस्थल से दूर खेत में मवेशी चरा रहे बच्चे ने भी देखा है। उनलोगों ने दुष्कर्म के बाद खेत से मुखिया को भागते हुए देखा है।

शराब ठेकेदार हत्याकांड में शूटर टेकचंद से पुलिस की करनाल में मुठभेड़

गुरुग्राम। हयातपुर गांव में शराब ठेकेदार की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी शूटर को पुलिस ने एनकाउंटर में दबोचा है। आरोपी ने करनाल में अपना मोबाइल छिपाने की बात पुलिस को कही। पुलिस जब उसके बताए स्थान पर उसे लेकर पहुंची तो उसने मोबाइल की जगह वहां से पिस्टल निकालकर पुलिस पर गोलियां दाग दीं। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में उसके घुटने पर गोली लगी। शनिवार को पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी को करनाल कल्पना चावला मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस टीम द्वारा हयातपुर हत्याकांड के शूटर टेकचंद को गिरफ्तारी के बाद अदालत में पेश करके सात दिन के रिमांड पर लिया गया था। आरोपी टेकचन्द ने पुलिस पूछताछ में वारदात के दौरान प्रयोग किया गया मोबाइल फोन करनाल में छिपाकर रखने की बात कही थी। गुरुग्राम पुलिस 21 मार्च की रात करीब 10.30 बजे आरोपी को साथ लेकर करनाल में छुपाए गए मोबाइल फोन को बरामद करने पहुंची। पुलिस टीम आरोपी को उसके बताए गए स्थान थाना मधुबन, करनाल के क्षेत्र में पर पहुंची। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को छुपाए गए मोबाइल फोन निकालने के लिए कहा तो आरोपी ने उस स्थान से एक पिस्टल निकाली और पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस दौरान एक गोली एएसआई हरीश को छूकर निकली। आरोपी ने फायर करते हुए भागने की कोशिश ी तो पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्यवाही में फायर किए। एक गोली आरोपी टेकचंद के घुटने में लगी और वह घायल हो गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को काबू करके उपचार के लिए कल्पना चावला अस्पताल करनाल में दाखिल कराया गया। इस वारदात में आरोपी की तरफ से तीन व पुलिस की तरफ से दो फायर हुए। 18 मार्च 2025 ठेकेदार की गोली मारकर की थी हत्या बता दें कि 18 मार्च 2025 को पुलिस चौकी सेक्टर-93 क्षेत्र में जोतराम चौक हयातपुर में शराब के ठेकेदार दिनेश यादव के कार्यालय में गोलियां दागी गई थी। इस हमले में बलजीत निवासी हयातपुर, रविंद्र निवासी उत्तर-प्रदेश वर्तमान निवासी हयातपुर व राम कौशिक निवासी हयातपुर के गोली लगी। गोली लगने से बलजीत की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटनास्थल पर मृतक बलजीत के भतीजे दिनेश ने पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत के माध्यम से बतलाया कि इन्होंने झज्जर में शराब के काफी ठेके लिए हुए हैं। इससे पहले एक विपक्षी पक्ष जिसमें ओम भगवान, दीपक, मोहित भूरिया, नरेश सेठी ठेके लेते आए थे। इनके द्वारा ठेके लेने पर वे लोग इनसे रंजिश रखने लगे थे। उप-निरीक्षक ललित कुमार इंचार्ज अपराध शाखा मानेसर गुरुग्राम पुलिस टीम ने आरोपी टेकचंद उर्फ मोहित निवासी खेड़ा खुरामपुर गुरुग्राम को नजदीक गांव नजफगढ़ से तथा वारदात में संलिप्त रहे दूसरे आरोपी मोहित निवासी बेरी गेट झज्जर 20 मार्च को धनकोट गुरुग्राम से काबू किया था।

एक ऐसा मेला, जहां पर पुरानी किताबें दें और नई लें

गुरुग्राम। यहांताऊ देवीलाल बायोडायवर्सिटी पार्क में रमीता जैन और रूपाली के सौजन्य से निःशुल्क पुरानी पुस्तकों का आदान-प्रदान मेला आयोजित किया गया। शनिवार को इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र मौजूद रहे। यह एक ऐसा मेला है, जहां आप पुरानी किताबें दे सकते हैं और नई किताबें ले जा सकते हैं। मेले में पुस्तकों का आदान-प्रदान करते हुए सुभाष चंद्र ने कहा कि यह पहल न केवल पुस्तकों के प्रचार-प्रसार में मददगार साबित होगी, बल्कि इससे समाज में पढ़ाई की महत्ता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस तरह के आयोजनों के माध्यम से लोगों में किताबों के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विशेषकर गरीब बच्चों को पढ़ाई में मदद मिलेगी। क्योंकि किताबें उन्हें इस प्रकार के आयोजनों से मिल सकेंगी। उन्होंने मेला आयोजन की इस अनूठी पहल के लिए आयोजकों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मार्च के महीने में बच्चों का रिजल्ट आ जाता है। बच्चे एक क्लास को पास कर अगली क्लास में प्रवेश करते हैं। इस दौरान उनके और उनके अभिभावकों के सामने बड़ी समस्या आती है कि जिस क्लास को पास कर चुके उसकी किताबों का क्या करें। साथ ही जिस क्लास में वह जा रहे हैं, उसकी किताबों के लिए बजट कहां से लाएं। जिसको मध्यनजर रखते हुए गुरुग्राम में बुक स्वैप कैंप लगाया गया। बुक कैंप आयोजक रमिता जैन ने बताया कि इस कैंप में बच्चे अपनी पुरानी किताबें लाकर नई किताब ले जा सकते हैं। जिससे न ही सिर्फ उनकी पुरानी किताबें किसी दूसरे छात्र को मिल सकेंगी, बल्कि वह खुद भी अपनी अगली क्लास की किताबें पाकर पढ़ाई कर सकते हैं। जिस मां-बाप की जेब पर भी असर नहीं पड़ेगा। आयोजक रूपाली कसेरा ने बताया कि यह कैंप 2 दिन के लिए लगाया गया है। रविवार को शहर सेक्टर-4 में इस कैंप को लगाया जाएगा। इस अवसर पर अशोक भारद्वाज, एडवोकेट ओमवीर, कुलदीप, मुकेश, हरपाल पहलवान, पार्षद विजय पाल, रूपा, भावना, लक्की गुप्ता, रूपाली कसेरा, करिश्मा जैन, अपर्णा रानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने इस अनूठे मेले की सराहना करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। इस मेले का उद्देश्य पुरानी किताबों को एक दूसरे से साझा करने और ज्ञान का प्रसार करने का था। उपस्थित लोगों ने इस पहल को सराहा और भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों के आयोजन की उम्मीद जताई।

फरीदाबाद में न्यूट्रिमेड कंपनी में हाई-प्रेशर बॉक्स फटा, एक कर्मचारी जख्मी

फरीदाबाद। थाना क्षेत्र सदर बल्लभगढ़ के अंतर्गत आईएमटी चौकी सेक्टर-68 में शनिवार को एक कंपनी के अंदर हादसा हुआ। न्यूट्रिमेड लिमिटेड कंपनी में एक मशीन का हाई-प्रेशर बॉक्स अचानक फट गया। इस धमाके में कंपनी का कर्मचारी जसवीर घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद जसवीर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों मोहन के अनुसार धमाका इतना जोरदार था कि पूरी कंपनी में अफरा-तफरी मच गई। इस भगदड़ में एक अन्य कर्मचारी सागर को भी हल्की चोटें आई हैं। धमाके के कारण कंपनी की चौथी मंजिल पर स्थित शीशे और इंटीरियर को भी भारी नुकसान हुआ है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही आईएमटी चौकी इंचार्ज, एडिशनल एसएचओ सदर बल्लभगढ़ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आईएमटी पुलिस चौकी प्रभारी भूपेंद्र कुमार ने बताया कि आईएमटी में न्यूट्रिमेड लिमिटेड के नाम से कंपनी है। इस कंपनी के मालिक का नाम डॉ. टी.एन. तिवारी है। इस कंपनी में बच्चों के लिए चॉकलेट, सेरेलक, हॉर्लिक्स जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं। कंपनी में करीब 35-36 कर्मचारी काम करते हैं। चौकी इंचार्ज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मशीन का हाई-प्रेशर ड्रॉयड बॉक्स अत्यधिक दबाव की वजह से फट गया। हादसे के वक्त मशीन के पास जसवीर खड़ा था जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जसवीर मूलरूप से राजस्थान का रहने वाला है। वह फिलहाल सीकरी गांव में किराए पर रहता था। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसे के पीछे कोई लापरवाही थी या यह एक आकस्मिक घटना थी। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ, उस समय प्रेशर मशीन बहुत ज्यादा गर्म थी। मशीन को ठंडा करने के लिए फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया था।

एनआईटी के दो जॉन में निगम ने सील की 15 यूनिटें

फरीदाबाद। नगर निगम द्वारा एनआईटी जॉन तीन में शनिवार को लगभग 10 संपत्तियों को टैक्स जमा न कराने पर सील किया गया है, इनमें ऊपर लगभग 10 लाख रुपए का टैक्स बकाया था। नगर निगम के क्षेत्रीय कर अधिकारी पदम सिंह ढांडा की टीम ने सीलिंग कार्यवाही के दौरान चलती हुई यूनिटों को सील किया गया। यह कार्यवाही डबुआ,जवाहर कालोनी ओर क्रेशर जॉन इलाके में की गई। एनआईटी जॉन एक में क्षेत्रीय कर अधिकारी विकास कन्हैया की टीम ने एनआईटी नंबर एक, नंबर दो और इससे लगता कुछ इंडस्ट्री एरिया में 5 यूनिटों को सील किया है इन यूनिटों पर लगभग 14 लाख रुपए का टैक्स बकाया था।

हरियाणा को मिलेगा उसके हिस्से का पानी, संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ की जाएगी बैठक- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल ने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए अंतरराज्यीय मुद्दों को हल करने हेतु आने वाले दिनों में संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की जाएगी। समस्याओं के हल होने से हरियाणा को उसके हक का पानी मिलेगा।

सी आर पाटिल आज जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025 के शुभारंभ के उपरांत संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार इस कार्यक्रम को दिल्ली से बाहर मनाने के लिए कार्यक्रम के आयोजन के लिए जब हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से पूछा गया तो उन्होंने तुरंत हाँ कर दी, क्योंकि वे जल का महत्व जानते हैं। जल संरक्षण और जल संचय के लिए जन-जन में जागृति आए, इसके लिए श्री नायब सिंह सैनी ने अपने राज्य बजट-2025-26 में भी बहुत से कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई है।

हरियाणा को पानी की कमी से निजात दिलाने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर संकल्पबद्ध तरीके से करेंगे काम

सी आर पाटिल ने कहा कि हरियाणा प्रगतिशील राज्य है, जो पानी की आपूर्ति के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। यहां बारिश भी कम होती है, ऐसे राज्य में आने वाले दिनों में पानी कमी न हो, इसकी चिंता सरकार के साथ-साथ नागरिकों को भी करने की आवश्यकता है। इसलिए जनभागीदारी के साथ-साथ केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर राज्य को पानी की कमी की समस्या से निजात दिलाने के लिए संकल्पबद्ध तरीके से काम करेंगे।

जल संचय की दिशा में बढ़ना समय की आवश्यकता

सी आर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जल संचय-जनभागीदारी को जन आन्दोलन में परिवर्तित करने की बात कही थी और आज का यह कार्यक्रम उसी का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि जल से हम सब कुछ बना सकते हैं। आज समय में जरूरत है जल को बचाने की, क्योंकि जल को बनाया नहीं जा सकता। जल वह पहला मापदंड होगा जिसके आधार पर आने वाली पीढ़ियां हमारा मूल्यांकन करेंगी। हमें देश में भविष्य के लिए जल संरक्षण को सुरक्षित करने के लिए अलग अलग प्रयोग करते हुए विभिन्न योजनाएं बनाकर जल संचय में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में एक वर्चुअल मीटिंग में कहा था ??कि जल संचय जन भागीदारी को जन आंदोलन में परिवर्तित करो और जो व्यापारी वर्ग है, जो अप्रवासी व्यापारी हैं वे अपनी कर्मभूमि से अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करें। इस दिशा में हरियाणा के जो व्यापारी सूरत में हैं, उनसे बात हुई है और

हरियाणा को पानी की कमी से निजात दिलाने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर संकल्पबद्ध तरीके से करेंगे काम

जल संरक्षण के लिए जन-जन में जागृति लाने हेतु मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य बजट-2025-26 में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई - सी आर पाटिल

वे आने वाले दिनों में अपनी ओर से पैसा खर्च करके हरियाणा के गांवों में जल संवर्धन और जल संरक्षण के लिए काम करेंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण लगातार बढ़ रही पानी की कमी की समस्या में कमी आई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 25 लाख महिलाओं को उनके गांव, उनके घर में आने वाले पानी के गुणवत्ता की जांच करने के लिए ट्रेनिंग दी गई और उन्हें किट भी दी गई। जबकि कांग्रेस के 70 साल में कभी किसी को ट्रेनिंग देने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि सरकार की ओर से कभी किसी के घर में पानी ही नहीं दिया गया। महिलाएं दूर से पानी लाती थी और वह पानी पीने लायक भी नहीं होता था। पानी की गुणवत्ता की चिंता करना उनके लिए संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत नल से जल योजना के तहत प्रति व्यक्ति 55 लीटर पानी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जो जमीन में पानी है उसे पूरा प्रयोग कर लिया जाएगा तो आने वाली पीढ़ी के लिए पानी नहीं बचेगा, इसलिए बारिश के पानी का संचय करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में होना चाहिए। इसके लिए जल शक्ति मंत्रालय ने अलग अलग डिजाइन बनाये हैं। इन पर हरियाणा में भी काम किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जल शक्ति मंत्रालय के सचिव श्री अशोक मीणा, हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की अध्यक्षा श्रीमती केशनी आनंद अरोड़ा, सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा, कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ोली, पंचकूला के मेयर श्री कुलभूषण गोयल और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गाली-गलौच होने पर हत्या करने के एक दोषी को उम्रकैद की सजा

11 नवंबर 2021 वारदात को दिया था अंजाम

गुरुग्राम। गाली-गलौच होने पर हत्या करने के एक आरोपी को पुलिस ने हत्या का दोषी ठहराते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया है। यह वारदात वर्ष 2021 में की थी। पुलिस के अनुसार थाना सेक्टर-10ए में 11 नवंबर 2021 को सेक्टर-37सी में झाड़ियों में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि वहां पड़े व्यक्ति के शव से खून निकला हुआ है। पुलिस टीम द्वारा सीन ऑफ क्राइम, एफएसएल व फिंगर प्रिंट की पुलिस टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सोमबीर पुत्र रणबीर निवासी गांव खरहर थाना आसौदा जिला झज्जर ने शिकायत देकर कहा कि उसने गांव गाड़ौली में दिशा एंटरप्राइजेज के नाम से मेडिकल स्टोर कर रखा है। वह आयुर्वेदिक दवाई सप्लाई का भी काम करता है। अशोक कुमार निवासी मिसनपुर जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश उसके पास करीब तीन महीने से दवाई सप्लाई का काम कर रहा था।

10 नवंबर 2021 को करीब छह बजे अशोक उसके दूसरे वर्कर मुकुल की स्कूटी को लेकर चला गया था। इसके बाद रात को करीब 11:30 बजे वह वापस आया। उसने कहा कि वह कमरा बदल रहा है। सामान ले जाने के लिए गाड़ी की जरुरत है। उसने गाड़ी देने से इंकार कर दिया। वह वापस चला गया। उसके पास रात सवा एक बजे उसके मोबाइल पर फोन आया। उसे बताया कि अरुण कुमार ड्क्षसह गांव चापर जिला समस्तीपुर बिहार की पत्नी पिंकी बोल रही हूं। आपके पास काम करने वाले अशोक का फोन उसके पाया आया है। उसने कहा कि उसने पत्थर मारकर उसके पति अरुण कुमार की हत्या कर दी है। अरुण उससे गाली-गलौच करके झगड़ा कर रहा था। अरुण कुमार की पत्नी के मुताबिक वह अपने पति अरुण कुमार व आरोपी अशोक के साथ सरस्वती एन्कलेव में एक ही कमरे में इक्कठे रहते थे। वह पांच-छह दिन पहले अपने गांव बिहार आ गई थी। सुबह अशोक कुमार ने उसको फोन पर बताया कि उसने उसके पति को पत्थर से चोटें मारकर सेक्टर-37 की झाड़ियों में फेंक दिया है। सेक्टर-10ए थाना पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज करके हत्यारोपी को 14 नवंबर 2021 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर से काबू किया गया। उसकी पहचान संदीप उर्फ पिंटू निवासी गांव समाना जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर-प्रदेश) के रुप में हुई थी।

पहचान बदलकर गुरुग्राम में रह रहा था आरोपी

आरोपी संदीप के खिलाफ मुजफ्फरनगर में गिरोहबंदी व चोरी के दर्जनों केस दर्ज हैं। वर्ष 2015 से वह चार साल तक जेल में बंद रहा। अपना अपराधिक रिकॉर्ड छिपाने के लिए आरोपी संदीप ने अपने ताऊ के लड़के अशोक निवासी मुजफ्फरनगर का ड्राइविंग लाइसेंस व आधार कार्ड उसको बिना बताए ले आया था। उन्हीं के आधार पर वह अशोक बनकर गुरुग्राम में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ साक्ष्य जुटाकर मजबूती से अदालत में पैरवी की। एडिशनल सेशन जज जगदीप ड्क्षसह की अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपी को धारा 302 आईपीसी के तहत उम्र कैद व 20 हजार रुपये जुर्माना, धारा 201 आईपीसी के तहत 3 वर्ष कैद (कठोर कारावास) व 10 हजार रुपये जुर्माना तथा धारा 419 के तहत 2 वर्ष कैद (कठोर कारावास) व 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जीवन के प्रति एक उच्च दृष्टिकोण प्रकट करती है आध्यात्मिकता- अनीता शाह अकेला

-व्यापारियों एवं उद्यमियों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में संस्था के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ। दादी प्रकाशमणी सभागार में व्यापार के लिए आध्यात्मिक समाधान विषय पर सम्मेलन की दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की गई।

इस अवसर पर कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि आध्यात्मिकता का सम्बन्ध किसी धर्म से नहीं, बल्कि जीवन के प्रति उच्च दृष्टिकोण से है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा व्यवसाय वही है, जिसमें आर्थिक उन्नति के साथ नैतिक मूल्यों का भी समावेश हो। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि धन कमाना बड़ी बात नहीं है लेकिन दुआएं कमाना बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि धन कमाने के पीछे विशेष लक्ष्य का होना आवश्यक है। सबसे बड़ा लक्ष्य सबको सुख देना है। समाज को सुख देने का कार्य एक व्यापारी ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में निमित्त भाव जरूरी है। क्योंकि निमित्त भाव से ही व्यक्ति निर्मान और नम्र बनता है। इन सबके लिए आध्यात्मिकता सबसे महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन जरूरी है। ठीक उसी प्रकार आत्मिक चेतना के लिए धर्म, श्रेष्ठ कर्म और आध्यात्मिकता का भोजन आवश्यक है। मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अध्यक्ष विष्णु बंसल ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में आध्यात्मिक मूल्यों की सबसे अधिक जरूरत है। उन्होंने कहा कि धन कमाने के साथ-साथ श्रेष्ठ कर्मों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। आईएफएम ग्रुप के अध्यक्ष एवं संस्थापक इकबाल सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज आध्यात्मिकता की प्रयोगशाला है। यहां पर हर व्यक्ति अपने प्रेक्टिकल जीवन से सबको एक दिव्य संदेश दे रहा है। फरीदाबाद से राजयोगिनी उषा दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि धन कमाना जरूरी है। लेकिन साथ-साथ जीवन को शांत एवं सुखमय बनाना उससे भी अधिक जरूरी है। धन का सदुपयोग हम तभी कर सकते हैं, जब आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश हो।

बहादुरगढ़ सेवा केंद्र प्रभारी बीके अंजली ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि संस्था प्रभाग के माध्यम से व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोगों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना चाहती है। मुंबई से आए प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके हरेश ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक अद्भुत विश्व विद्यालय है। जो सारे विश्व में शांति का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि धन कमाने से पहले उसकी पवित्रता जरूरी है।

सिलानी में प्रशासन ने किया रात्रि ठहराव, सुनीं समस्याएं

-हर माह जिले के एक गांव में होगा जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव
-डीसी ने कहा, जनता की समस्याओं का पारदर्शिता से समाधान हमारी प्राथमिकता

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की रात्रि ठहराव पहल के तहत जिला प्रशासन ने शुक्रवार की रात को सोहना ब्लॉक के सिलानी गांव में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया। डीसी अजय कुमार ने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला प्रशासन के सभी महत्वपूर्ण विभागों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।रात्रि ठहराव कार्यक्रम में पहुंचने पर डीसी अजय कुमार का गांव के सरपंच जयपाल के साथ ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद डीसी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सरपंच जयपाल ने ग्राम पंचायत की तरफ से मांग पत्र डीसी के समक्ष पढ़ा। डीसी ने गांव का विकास व उन्नति के लिए समस्याओं को दूर करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। रात्रि ठहराव के दौरान एसडीएम संजीव सिंगला, एसीपी जितेंद्र, डीडीपीओ नवनीत कौर, डीआईपीआरओ बिजेंद्र, बीडीपीओ राजपाल मोर, एक्सईन पंचायती राज अजय शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। रात्रि ठहराव में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रात्रि ठहराव में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। ग्रामीणों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं डीसी के समक्ष रखीं, जिनमें बिजली, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। डीसी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए और ग्रामीणों को योजनाओं का पूरा लाभ मिले। डीसी ने कहा कि जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव था ।

होटल के कमरे से महिला अधिकारी के 50 लाख के गहने चोरी

-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी की निदेशक के कमरे से हुई चोरी

-इसी होटल से एक अमेरिकी महिला के 67 लाख रुपये के गहने चोरी हुए थे

गुरुग्राम।

शहर के वेस्टिन होटल में एक कार्यक्रमम में भाग लेने आई हैदराबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी की निदेशक के कमरे से करीब 50 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए। महिला की शिकायत पर सेक्टर-29 पुलिस थाना में केस दर्ज किया गया है। सेक्टर-29 पलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार ने शनिवार को बतायाा कि इस चोरी की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी (एनआईएबी) हैदराबाद की निदेशक और पीएजी-एशिया 2025 बैठक की सह-अध्यक्ष डॉ. जी. तारू शर्मा होटल वेस्टिन में ठहरी हुई थी। सेक्टर-29 पुलिस थाना में उनकी ओर से दी गई शिकायत में कहा गया कि वह 18 मार्च से 20 मार्च तक वेस्टिन होटल में आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को होटल में पहुंची थीं। मंगलवार को उनके कमरा नंबर-240 से उनके आभूषण चोरी हो गए। कई बार अनुरोध करने के बावजूद होटल के कर्मचारियों ने ज्यादा मदद नहीं की है। वे दिनभर होटल में ही सम्मेलन में बिजी थीं। होटल के कमरे से उनके करीब 50 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए। चोरी हुए गहनों में एक हीरे का सेट, सोने की चेन, हीरे और माणिक की दो अंगूठियां, सोने में हीरे जड़ित कंगन, सोने की चूड़ियां, दो कंगन शैली की चूड़ियां और एक टाइटन घड़ी शामिल है। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की।

सेक्टर-29 पुलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि गहने चोरी का केस दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज जुटा लिए गए हैं। होटल के संदिग्ध कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक गहनों के बारे में कोई सुराग नहीं चल पाया है। यह होटल पहले भी सुरक्षा के लिहाज से सवालों के घेरे में आ चुका है। इसी होटल से गत वर्ष मार्च माह में ही एक अमेरिकी महिला के 67 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए थे।

विदेशी कंपनी में निवेश के नाम पर रिटायर्ड कैप्टन से 72 लाख ठगे

फरीदाबाद। फरीदाबाद के मांगर गांव में एक चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड सामने आया है। साइबर ठगों ने एक सेवानिवृत्त कैप्टन को एलन मस्क की कंपनियों में निवेश का झांसा देकर 72.16 लाख रुपए ठग लिए। कैप्टन शक्ति स्वरूप लुंबा से ठगों ने जनवरी 2024 में एक्स के माध्यम से संपर्क किया। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ठगों ने खुद को एलन मस्क की मां और कंपनी का मैनेजर बताया। एना शेरमन नाम के एक अकाउंट से शुरू हुई, बातचीत बाद में वॉट्सऐप पर आ गई। ठगों ने एक नंबर साझा किया, जिसे एलन मस्क का बताया गया। उन्होंने कैप्टन को स्पेसएक्स, टेसला और बिटकॉइन में निवेश का प्रस्ताव दिया। साथ ही एलन मस्क से मिलवाने का लालच भी दिया। इस दौरान राहुल सरकार, शोएन हबीब मोला, केशब राय, परीमल, दीपक चक्रवर्ती, विक्रमजीत सिंह और मुकेश कुमार नाम के लोगों ने भी कैप्टन से संपर्क किया। ठगों ने कंपनियों के शेयर में निवेश और रिफंड चार्ज के नाम पर पूरी रकम हड़प ली। मामले की शिकायत मिलने पर साइबर थाना एनआईटी की पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, जांच जारी है। उन्होंने बताया कि आपके रुपए स्पेसएक्स व टेसला शेयर में लगाए जाएंगे। वह ठगों की बातों में आ गए और पैसे निवेश करने शुरू कर दिए। इसी कड़ी में सबसे पहले 25 जनवरी 2024 को कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में 2.91 लाख रुपए जमा कराए गए।

बाद में समय-समय पर बताते रहे कि आपकी इन कंपनी के शेयर में निवेश की गई राशि बढ़ रही है। इस दौरान एक व्यक्ति ने मैसेज कर बताया कि वह एलन मस्क है। रोलेक्स घड़ी की फोटो भेजी और कहा यह जल्द मिलने वाली है। पैसे मांगने पर खाते फ्रीज होने की बात कही। आरोपित लगातार उससे पैसे निवेश करा रहे थे, तब कैप्टन ने अपने निवेश किए रुपए वापस मांगे, तो उन्हें बताया गया कि कंपनी के खाते फ्रीज हो गए हैं। एलन मस्क खुद भारत आने वाले हैं और वह आपका रुपए आपके हवाले कर देंगे। उन्होंने अपनी बचत राशि के साथ ही दोस्तों व परिवार से भी उधार लेकर निवेश किया था। क्रेडिट कार्ड की लिमिट भी लेकर निवेश कर दी। एलन मस्क ने शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी को रोलेक्स घड़ी भेजने की बात भी कही थी।

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गई।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

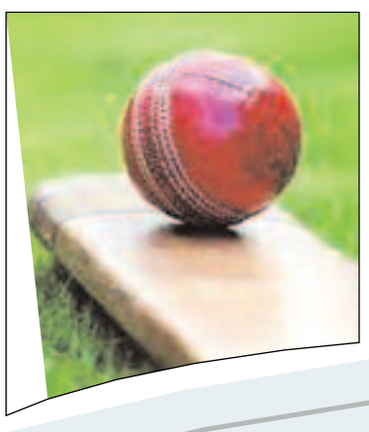

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

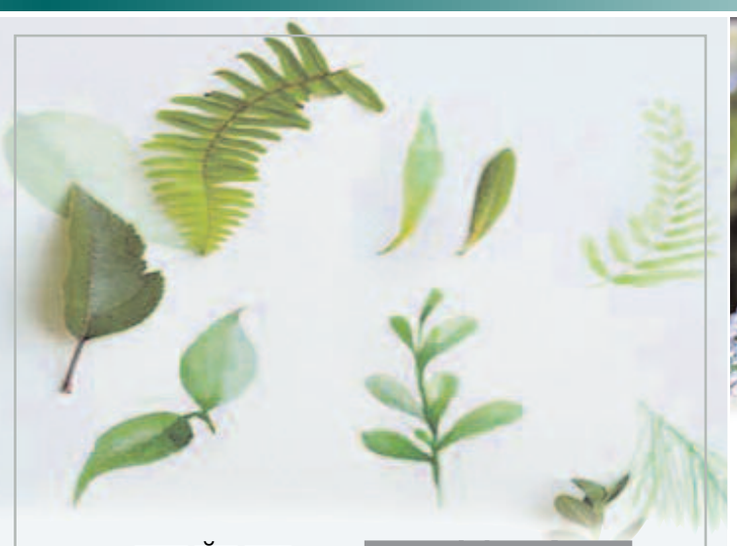

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बर्न्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फर्स्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बर्न्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो़सफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकठ्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और हृयूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया।

भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे। मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

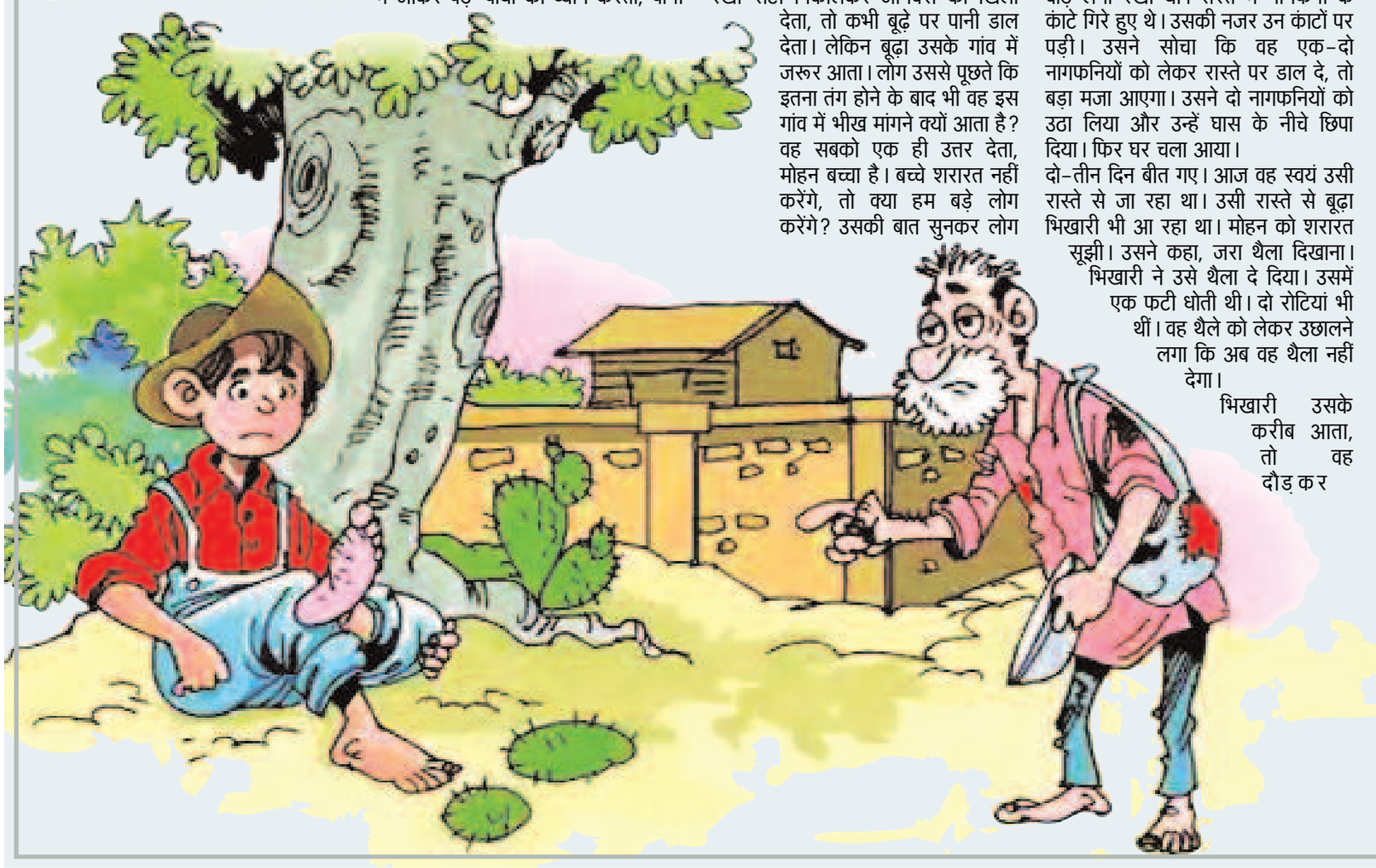

बाबिल खान ने बताया, जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर 'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं। उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है। बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको- ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फाइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। बाबिल की अपकमिंग फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ शूजित सरकार की 'द उमेश क्रॉनिकल्स है'।

कीर्ति कुल्हारी के पिंक में नजरअंदाज किए जाने वाले बयान पर तापसी ने दी प्रतिक्रिया

कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक' की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मुझे कैसे पता चलेगा

बातचीत के दौरान तापसी ने इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे कैसे पता चलेगा? उसे जो महसूस होता है, उसे महसूस करने का पूरा अधिकार है। मैं आखिरी व्यक्ति होऊंगी जो किसी को बताए कि आप जो महसूस कर रहे हैं वह गलत है। अगर किसी ने कुछ महसूस किया है, तो मुझे यकीन है कि इसके पीछे कोई कारण होगा।

मुझे पता होता तो बात करती

तापसी ने इस पूरे मामले पर आगे कहा, उसने अपनी आवाज उठाई, जो उसकी मर्जी है। अगर मुझे पता होता कि कीर्ति उस वक्त किसी भी तरह से नजरअंदाज किए जाने जैसा महसूस कर रही है, तो मैं उस समय उससे बात करना पसंद करती है और पूछती कि क्या मैं इसे बेहतर बनाने के लिए कुछ कर सकती हूं। अफसोस, मुझे नहीं पता चला, उसे उस वक्त कोई समस्या है। इसलिए मुझे नहीं पता अब क्या करना चाहिए। मैं उनकी भावनाओं को खारिज नहीं कर सकती। तापसी ने ये भी बताया कि वो और कीर्ति दोस्त नहीं हैं, लेकिन प्रोफेशनल स्तर पर दोनों के अच्छे संबंध हैं।

मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

पीआर मशीनरी पर की थी कीर्ति ने बात

कीर्ति ने हाल ही में पीआर मशीनरी के बारे में बात की थी और पिंक के ट्रेलर में अपनी कम भूमिका पर बात करते हुए कहा था, मैंने देखा कि ट्रेलर में मुख्य रूप से तापसी और मिस्टर बच्चन थे। यह मेरे लिए पहला झटका था, क्योंकि मुझे पता है कि मैंने फिल्म में क्या किया है। शूजित ने मुझसे कहा था, 'इसकी चिंता मत करो, फिल्म को आने दो।' मैं कभी पीआर नहीं करती। मुझे विश्वास है कि मेरा काम आखिरकार देखा जाएगा।

ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार धनुष निर्देशित नीक

फिल्म धनुष द्वारा निर्देशित फिल्म निलावुकु एनमेल एन्नाडी कोबाम (नीक) बॉक्स ऑफिस पर ड्रैगन के साथ टकराई थी। अच्छी समीक्षाओं के बावजूद नीक बॉक्स ऑफिस पर व्यावसायिक रूप से फ्लॉप रही। फिल्म को तेलुगु में जबिलाम्मा निकु अंता कोपामा के नाम से रिलीज किया गया था, लेकिन यह कमाल दिखने में नाकामयाब हुई। नीक अब अपने डिजिटल डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है। धनुष ने इसके ओटीटी रिलीज डेट का खुलासा किया। धनुष ने अपने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि फिल्म 21 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म के अन्य डब संस्करण का प्रीमियर भी भी 21 मार्च को ही प्राइम वीडियो पर होगा।

इस बात से डरते हैं शाहरुख और दीपिका पादुकोण, एक्टर्स को है कौन सा फोबिया?

हम सभी को किसी ना किसी बात से डर लगता है। लेकिन कुछ लोगों का डर इतना बढ़ जाता है कि वो फोबिया में बदल जाता है। बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। जिस पर उन्होंने लिखा कि वह अपने डर का सामना करने के लिए जा रही हैं। फैंस को अपने डर के बारे में अभिनेत्री ने बताया। ये फोटो बीच समंदर की थीं। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं। कई और कलाकार भी हैं जिनको किसी ना किसी बात से डर लगता है।

शाहरुख खान

शाहरुख खान ने कई इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें घुड़सवारी करने से डर लगता है। वह 'करण-अर्जुन' फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिर गए थे, जिससे उन्हें चोट आई। इसी तरह फिल्म 'अशोक' के दौरान भी शाहरुख खान को घुड़सवारी करने में काफी समस्या आई। इस वजह से वह घोड़े वाले सीन फिल्मों में खुद नहीं करते हैं, इसके लिए शाहरुख खान का बॉडी डबल इस्तेमाल किया जाता है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को नेचर से बहुत प्यार है, वह नेचर के बीच रहना पसंद करती हैं। लेकिन उनको सांप से डर लगता है। इस वजह से वह फिल्मों में ऐसे सीन्स भी नहीं करती हैं, जिसमें सांप दिखाए जाते हों।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट को अंधेरे से डर लगता है। वह अंधेरे में घबरा जाती हैं। वह रात को जब सोती हैं तो डिम लाइट जलाकर रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया को बचपन में बहन ने एक कमरे में बंद कर दिया था, इस कारण उनके मन में अंधेरे को लेकर डर पैदा हो गया।

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को किसी बड़ी चीज से डर नहीं लगता है। वह तो कॉकरोच से डरते हैं। अगर कहीं कॉकरोच दिख जाए तो रणबीर कपूर वहां से दूर हो जाते हैं। रणबीर कपूर ऐसे अकेले नहीं हैं, जिनको कॉकरोच से डर लगता है, कई लोगों के मन में ऐसा डर बसा होता है, छोटे जीव-जंतु देखकर उनकी चींख निकल जाती है।

जायद खान बोले- 'जो कुछ भी हूं फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं'

राजस्थान के जयपुर में कुछ दिन पहले आईफा अवॉर्ड आयोजित हुए थे। इस अवॉर्ड फंक्शन में सितारों की महफिल जमीं, गायक से लेकर अभिनेता तक सभी लोग शामिल हुए। इस आयोजन में अभिनेता जायद खान ने भी बातचीत की।

आईफा से जुड़ी है बीस साल की यात्रा

जायद खान कहते हैं, 'आईफा में आकर ऐसा लग रहा है कि एक उम्र ही गुजर गई है। मैं इस अवॉर्ड फंक्शन से 20-21 साल से जुड़ा हूं। मेरा पहला आईफा 2005 में साउथ अफ्रीका में था। चलते-चलते बीस साल निकल गए लेकिन हम खुश हैं कि आईफा जयपुर में आयोजित हुआ। जयपुर की इतिहास के पन्नों में खास जगह है। सच में यहां आकर बहुत अच्छा लगा।'

फिल्म 'मैं हूं ना (2004)' के बारे में भी जायद खान बात करते हैं। यह फिल्म उनके करियर की हिट और खास फिल्म रही है। इसमें उन्होंने लकी का किरदार निभाया था, फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म के बारे में जायद कहते हैं, 'मैं जो हूं, फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं और आगे भी रहूंगा।'

आने वाली फिल्म का जिक्र भी किया

जायद खान को दर्शक दोबारा बड़े पर्दे पर कब देख पाएंगे? इस सवाल पर जायद का कहना है कि वह अभी इस बारे में कुछ बता नहीं सकते हैं कि कब तक फिल्मों में नजर आएंगे। लेकिन अभिनेता ने इतना जरूर बताया कि उनके पास इस साल एक फिल्म है।

ऑडियंस कलेक्शन के बजाय फिल्म अच्छी या बुरी पर फोकस करे

अभिषेक बच्चन को इंडस्ट्री में तकरीबन 25 साल होने आए हैं। बीते कुछ समय से वह अपनी भूमिकाओं के मामले में लगातार प्रयोग करते जा रहे हैं। बिग बुल और ब्रीद 2 में उनका काम सराहा गया, तो बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक में उनके किरदारों के अलहदा रंग देखने को मिले। इन दिनों वह अपनी ओटीटी पर रिलीज़ हुई होने फिल्म बी हैपी को लेकर चर्चा में हैं। उनसे एक खास बातचीत।

अपनी पिछली फिल्म आई वांट टू टॉक के बाद अपनी इस फिल्म में भी आप एक पिता की भूमिका में हैं, तो आपके लिए असल जीवन में आराध्या का पिता होना कितना काम आया?

अंत में देखा जाए, तो हम सभी एक्टर हैं। हमारा काम है एक्टिंग करना। मैंने पुलिस अफसर, नेता, चोर, कॉन्ट्रैक्ट किलर जैसे कई रोल किए हैं, मगर मैं इनमें से कुछ भी नहीं हूं, तो मेरे कहने का अर्थ ये है कि हमें उन किरदारों में ढलना पड़ता है, मगर हां असल जीवन में मैं एक पिता हूं, तो मैं पिता के उस इमोशन को समझ पाया। उस किरदार को निभाने में आसानी हो जाती है, मगर फिर फिल्म और वास्तविक जीवन की सिचुएशन अलग-अलग होती है।

सदी के महानायक कहलाने वाले आपके पिता अमिताभ बच्चन हमेशा आपके लिए एक चीयरलीडर रहे हैं, वह इंडस्ट्री के दूसरे एक्टर्स का भी उत्साह वर्धन करते रहते हैं, आपके लिए उनकी प्रतिक्रिया कितनी मायने रखती है?

बहुत मायने रखती है। आपने कहा कि वह सदी के महानायक हैं और मैं उनका सबसे बड़ा फैन हूं। वह मेरे हीरो हैं और जब आपका हीरो आपको सराहे, तो अच्छा लगना स्वाभाविक है। वह इतने सीनियर हैं। उन्होंने इतना कुछ किया है, देखा है और इसके बावजूद वह आपके काम के लिए आपको कुछ अच्छा बोल रहे हैं, तो खुशी तो होगी ही। ऐसा वह सिर्फ मेरे काम के लिए नहीं करते, इंडस्ट्री के दूसरे लोगों के लिए भी करते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है।

आम तौर पर एक्टर्स भूमिकाओं के मामले में एक सेफ फिल्म करना चाहते हैं, आप लगातार बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक जैसी लीक से हटकर फिल्में करने का साहस या दुस्साहस कैसे कर पाते हैं?

सच कहूं, तो मुझे तो ये सारी फिल्में सेफ ही लगी हैं। सेफ फिल्म वही होती है, जो आपके दिल को छुए। ये जितनी भी कहानियां हैं, इन्होने मेरे दिल को छुआ है। एक कलाकार अगर अपने दिल की बात नहीं सुनेगा और सिर्फ दिमाग के हिसाब से चलेगा, तो बहुत जल्दी वो अपने काम से डिस्कनेक्ट हो जाएगा। हम कलाकार इमोशनल काम करते हैं। आप अगर कोई फिल्म देखने जाते हैं, तो पूछा जाता है कि फिल्म अच्छी लगी या बुरी? कोई ये नहीं पूछता कि बुरी क्यों लगी? क्योंकि यह एक फीलिंग है। तो काम ऐसे ही चुनना चाहिए कि क्या उस कहानी ने आपको छुआ और क्या आप वो फिल्म देखना चाहेंगे? दोनों के जवाब अगर हां हैं, तो आपको वो फिल्म करनी चाहिए।

छावा को अपवाद मान लिया जाए, तो हाल-फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर फिल्में नहीं चल पा रही हैं। आप इस पर क्या कहना चाहेंगे?

मैं आपकी बात से सहमत नहीं हूं। पिछले 12 महीने में 3-4 फिल्में ऐसी जरूर आई हैं, जिन्होंने 500 करोड़ किए हैं। देखिए जब फिल्में आएंगी, तो उसमें से कुछ चलेंगी कुछ नहीं चलेंगी। ये सदियों से चला आ रहा है और हम लोगों को अपना काम ही करना है। एक चीज जो मुझे नापंसद है, वो ये कि आजकल दर्शक कलेक्शन की जानकारी लेने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। हम जब छोटे थे, तब हमने कभी नहीं पूछा कि अमर अकबर एंथनी की कलेक्शन कितनी थी? हम पूछते थे, फिल्म हिट है या फ्लॉप? अच्छी है या बुरी? मुझे लगता है, फोकस वहीं लौट जाना चाहिए। आजकल मीडिया ने भी ये बहुत ज्यादा चला दिया है कि इसके कलेक्शन ये हैं, वो हैं। हम भी तो यही करते हैं। हम लोग भी तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं न कि इतने कलेक्शन हमने किए हैं। देखिए, कलेक्शन तो इंडस्ट्री की बात है, पिक्चर अच्छी है या नहीं, इस पर बात होनी चाहिए। आपको बिजनेस से क्या लेना-देना? आपको बस इतना देखना होगा कि आपको फिल्म अच्छी लगी या नहीं?

आज इंटरनेट के जमाने में आपको नहीं लगता कि सभी के पास ओवर इन्फॉर्मेशन हो गई है? सोशल मीडिया के दौर को कैसे देखते हैं?

मैं तो सोशल मीडिया पर ज्यादा नहीं रहता। सोशल मीडिया का ट्रेंड हो गया आजकल, मगर मैं इसमें यकीन नहीं करता। मैं एक अभिनेता के तौर पर कह सकता हूं कि अंत में वही मायने रखेगा, जो आप बड़े पर्दे पर करेंगे। आप भले दस हजार सेल्फी पोस्ट कर लो, उससे कुछ नहीं होने वाला। लोग आकर आपकी फिल्म नहीं देखने वाले।

आपकी फिल्म का नाम बी हैपी है, आपके लिए खुशी की परिभाषा क्या है?

मुझे अपने काम से बहुत खुशी मिलती है। जब मैं कैमरे के सामने होता हूं, तो बहुत खुश होता हूं। उसी तरह जब मैं परिवार के साथ होता हूं, तो वो मुझे एक अलग खुशी देता है।

री-रिलीज के इस दौर में आप अपनी कौन-सी फिल्म री-रिलीज करना चाहेंगे?

मैं कभी अलविदा न कहना को री-रिलीज करना चाहूंगा, क्योंकि 2006 में जब वो फिल्म आई थी तब मुझे लगता है कि करण (करण जौहर) की वो फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। आज कल की जो पीढ़ी है, वो इस फिल्म को समझ पाएगी। दूसरी फिल्म मैं कहूंगा, दिल्ली 6, जो मैं दोबारा रिलीज होते हुए देखना चाहूंगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।